कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | मंगलवार 05 नवम्बर 2024 | वर्ष– 7 | अंक– 1191 | पृष्ठ– 6 | RNI (TA)- 2022027633

न्यूयॉर्क के मतपत्रों पर बांग्ला एकमात्र भारतीय भाषा

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (कोलकाता): न्यूयॉर्क में 200 से ज्यादा भाषाएं बोली जाती हैं, जिसकी वजह से इसे अमेरिका का सबसे बड़ा बहुभाषी राज्य कहा जाता है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए कल पांच नवंबर को होने जा रहे चुनाव में, मतपत्रों में अंग्रेजी के अलावा सिर्फ चार अन्य भाषाएं होंगी, जिसमें बांग्ला एकमात्र भारतीय भाषा है। न्यूयार्क के नगर नियोजन विभाग ने यह जानकारी दी। अमेरिका में मंगलवार को 47वें राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान होगा।

न्यूयॉर्क स्थित 'बोर्ड ऑफ इलेक्शन' के कार्यकारी निदेशक माइकल जे रयान ने बताया, "हमें अंग्रेजी के अलावा चार अन्य भाषाओं को भी शामिल करना होता है। एशियाई भाषाओं में चीनी, स्पेनिश, कोरियाई और बांग्ला शामिल हैं।"

'टाइम्स स्क्वायर' स्थित एक स्टोर में सेल्स एजेंट के तौर पर काम करने वाले सुभाशीष का ताल्लुक बंगाल से है। उन्हें खुशी है कि क्वीन्स इलाके में रहने वाले उनके पिता को वोट डालने के लिए भाषाई सहायता मिलेगी।

सुभाशीष ने कहा, "मेरे जैसे लोग अंग्रेजी जानते हैं लेकिन हमारे समुदाय में ऐसे कई लोग हैं, जिन्हें यह भाषा नहीं आती। इससे (मतपत्र में बांग्ला भाषा शामिल किए जाने से) उन्हें मतदान केंद्र पर मदद मिलेगी। मुझे यकीन है कि मेरे पिता को बांग्ला भाषा का मतपत्र देखने का विचार पसंद आएगा। मतपत्रों पर बांग्ला भाषा का इस्तेमाल सिर्फ शिष्टाचार नहीं बल्कि एक कानूनी आवश्यकता भी है।

कानून के अनुसार, न्यूयॉर्क शहर के कुछ मतदान स्थलों पर बांग्ला में मतदान सामग्री उपलब्ध कराना अनिवार्य है। यह अनिवार्यता सिर्फ मतपत्रों पर नहीं बल्कि मतदान से जुड़ी अन्य आवश्यक सामग्री पर भी लागू है, जिससे बांग्ला भाषी मतदाताओं को मदद मिलती है।

रयान ने बताया कि सिर्फ बांग्ला ही क्यों उन भाषाओं की सूची में शामिल है, जिन्हें 'बोर्ड ऑफ इलेक्शन' ने अंग्रेजी के अलावा चुनाव है। उन्होंने बताया, "भाषा की जानकारी को लेकर एक मुकदमा दायर किया गया था और जैसा कि आप जानते हैं कि भारत में बहुत सी अलग-अलग भाषाएं हैं। उस मुकदमे के निपटारे के लिए एक निश्चित जनसंख्या घनत्व के भीतर एक एशियाई भारतीय भाषा का होना जरूरी था। बातचीत के जरिए बांग्ला पर सहमति बनी। मैं बांग्ला को चुनने की सीमाओं को समझता हूं लेकिन यह एक मुकदमे की वजह से हुआ है। न्यूयॉर्क के क्वीन्स इलाके में दक्षिण एशियाई समुदाय को पहली बार 2013 में बांग्ला में अनुवादित मतपत्र मिले थे।

बांग्ला भाषा के मतपत्रों को शामिल करने की शुरुआत संघीय सरकार द्वारा शहर को, 1965 के मतदान अधिकार अधिनियम के एक प्रावधान के तहत दक्षिण एशियाई अल्पसंख्यकों को भाषा सहायता प्रदान करने का आदेश दिए जाने के लगभग दो साल बाद हुई।

बांग्ला भाषी आबादी में भारत और बांग्लादेश जैसे एशियाई देशों से आने वाले लोग शामिल हैं। हालाँकि यह क्षेत्र में बोली जाने वाली सभी भाषाओं का प्रतिनिधित्व नहीं करती, लेकिन इस भाषा को शामिल करने से बांग्ला भाषी समुदाय के भीतर मतदाता भागीदारी पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन' के अध्यक्ष डॉ. अविनाश गुप्ता कहते हैं कि इससे भारतीय समुदाय को मदद मिलेगी।

डॉ. अविनाश गुप्ता ने कहा, 'इससे भारतीय लोगों को बाहर निकलकर मतदान करने में मदद मिलेगी। इस तरह हम अपनी आवाज़ बुलंद कर सकते हैं। हमारी आबादी बहुत बड़ी है। यह देखकर खुशी होती है कि कैसे भारतीय बाहर निकलकर मतदान करते हैं और चुनाव भी लड़ते हैं।

आसनसोल रेल मंडल ने पेंशनभोगियों से राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 3.0 से लाभ उठाने का आग्रह किया

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (आसनसोल): डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र (डीएलसी) अभियान 3.0 शुरू किया है। 01 नवंबर, 2024 को मंडल रेल प्रबंधक, श्री चेतना नंद सिंह द्वारा उद्घाटन की गई यह पहल नवंबर के पूरे महीने चलेगी, जिससे रेलवे पेंशनभोगी अपने घर बैठे ही डिजिटल रूप से जीवन प्रमाण-पत्र जमा कर सकेंगे।

अभियान को सफल बनाने के लिए लेखा, कार्मिक, आरपीएफ और आईपीपीबी विभागों की एक समर्पित टीम एक साथ मिलकर पूरे मंडल में काम कर रही है। पेंशनभोगी अब अपने एंड्रॉइड मोबाइल के माध्यम से जीवन प्रमाण ऐप और आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन का उपयोग करके अपने डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र जमा कर सकते हैं, जिससे व्यक्तिगत रूप से उपस्थिति दर्ज कराने की आवश्यकता कम हो जाएगी और चलने-फिरने संबंधी चुनौतियों वाले लोगों को लाभ होगा।

आसनसोल मंडल ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) और स्थानीय बैंकों के साथ साझेदारी में पूरे क्षेत्र में सहायता केंद्र स्थापित किए हैं, जहाँ प्रशिक्षित कर्मचारी पेंशनभोगियों को डिजिटल सबमिशन प्रक्रिया के माध्यम से मार्गदर्शन करेंगे। पेंशनभोगियों या पारिवारिक पेंशनभोगियों को गूगल प्ले स्टोर से आधार फेस आरडी और जीवन प्रमाण ऐप इंस्टॉल करने, ओटीपी के साथ ऑपरेटर प्रमाणीकरण पूरा करने और एक बार के सेटअप के लिए फेस-स्कैनिंग निर्देशों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। डिजिटल सबमिशन सक्षम है और इसे एक ही ऑपरेटर द्वारा कई पेंशनभोगियों के लिए प्रबंधित किया जा सकता है।

आगे की सहायता के लिए, पेंशन अनुभाग, लेखा कार्यालय, आसनसोल में एक हेल्पडेस्क खोला गया है। पेंशनभोगी तकनीकी सहायता या प्रश्नों के लिए 8789655045 या 9002023146 पर संपर्क कर सकते हैं। यह अभियान सभी पेंशनभोगियों से उनके पेंशन लाभों की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए इस सुरक्षित, सुलभ और कुशल प्रक्रिया को अपनाने का आह्वान है।

एटीएम धोखाधड़ी करते हुए जमताड़ा गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (रानीगंज): काली पूजा के दौरान रानीगंज थाना की पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एटीएम में धोखाधड़ी करने वाले जमताड़ा गैंग के दो सदस्यों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। ये घटना 25 अक्टूबर से 1 नवंबर तक की है, जब इस गैंग ने हीरापुर थाना क्षेत्र के चार एटीएम, आसनसोल दक्षिण के चार-पांच एटीएम और आस-पास के अन्य क्षेत्रों में धोखाधड़ी कर लोगों के खातों से पैसे निकालने का प्रयास किया।

पुलिस को जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली, रानीगंज थाना की साइबर क्राइम टीम सक्रिय हो गई। पुलिस ने शहर में इन अपराधियों की गतिविधियों की निगरानी शुरू कर दी। आरोपी 18 वर्षीय जुनैद अली और 28 वर्षीय अरमानुल हक, जो आसनसोल के बोतल मस्जिद इलाके के रहने वाले हैं, को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे रानीगंज में एटीएम धोखाधड़ी की कोशिश कर रहे थे।

रानीगंज थाना के इंस्पेक्टर विकास दत्ता के पास पहले से ही इन अपराधियों की तस्वीरें थी, जिससे उन्हें पहचानने में आसानी हुई। यह गिरोह विशेषकर उन एटीएम ग्राहकों को निशाना बनाता था, जिन्हें एटीएम के इस्तेमाल में कम जानकारी होती थी। वे धोखे से उनके एटीएम कार्ड, पासवर्ड और अन्य जानकारी लेकर लाखों रुपये निकाल लेते थे।

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना अपराध कबूल कर लिया। सोमवार को उन्हें आसनसोल जिला अदालत में पेश किया गया, जहां न्यायाधीश ने उन्हें पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

बीरभूम में तृणमूल कांग्रेस नेता की पीट-पीटकर हत्या

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (बीरभूम): जिले में तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को घटना की जानकादी दी। पुलिस ने बताया कि बोलपुर शहर के पास पारुलडांगा में कुछ लोगों ने 40 वर्षीय समीर थांदर पर शनिवार रात को उस समय हमला किया जब वह अपने घर लौट रहे थे। वह कंकलिताला पंचायत के सदस्य थे। पुलिस ने बताया कि बर्दवान मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज के दौरान समीर थांदर ने दम तोड़ दिया।

समीर थांदर के बेटे प्रतीक थांदर ने बताया, "कुछ ग्रामीणों ने मेरे पिता पर हमला किया। हमने उन्हें बचाया और अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन वहां उनकी मृत्यु हो गई। सिउड़ी विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के विधायक विकास रॉयचौधरी ने बताया कि ऐसा संदेह है कि थांदर पर हमला गांव के किसी विवाद के चलते किया गया। उन्होंने कहा, "हम इस मामले में एक उचित जांच और कार्रवाई की मांग करते हैं।" उन्होंने घटना की उचित जांच और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने बताया कि घटना के सिलसिले में पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटना की जांच जारी है।

महापर्व छठ पूजा को लेकर प्रशासनिक अधिकारियो ने किया पारबेलिया घाट का निरीक्षण

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (पुरुलिया): लोक आस्था के महापर्व छठ के मद्देनजर सोमवार पूर्वाह्न रघुनाथपुर के एसडीओ विवेक पंकज, एसडीपीओ रोहद शेख, नितुरिया पंचायत समिति अध्यक्ष शांति भूषण प्रसाद, नितुरिया बीडीओ प्रबीर कुमार सिंहा, नितुरिया थाना प्रभारी मिलन मन्ना सहित छठ कमेटी के सदस्यों द्वारा सुभाष सेतु के करीब स्थित पारबेलिया घाट का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर एसडीपीओ रोहद शेख ने छठ व्रतीओं और श्रद्धालुओं को लेकर कहा कि घाटों पर सीसी टीवी कैमरा, लाइट की उचित व्यवस्था के साथ ही साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही, ताकि किसी को छठ घाट आने-जाने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पड़े।

नितुरिया पंचायत समिति अध्यक्ष शांतिभूषण प्रसाद यादव ने कहा कि अधिकारियों ने हमें कुछ नई बातों की ओर ध्यान दिलाया, और करने को कहा। ड्रोन कैमरा से लेकर सीसीटीवी कैमरा पर्याप्त संख्या में व्यवस्था करने को कहा। महिलाओं का ड्रेस बदलने का स्थान अधिक संख्या में बनाने को कहा। एक रेलिंग की भी व्यवस्था किनारे गाइड बांध पर करने को कहा ताकि लोग उधर ना गिर पड़े।

हमनें पंचायत समिति और सालतोड़ ग्राम पंचायत द्वारा व्यवस्था करने का आश्वासन दिया। महिला पुलिस टेंट भी बनाने को कहा। इसके साथ ही किसी को कोई असुविधा ना हो इसके लिए काफी फ़ोर्स देने की बात कही।

आईएसपी ने मनाया सतर्कता जागरूकता सप्ताह का मास्टर समारोह

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (बर्नपुर): गत कई दिनों से चल रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) 2024 अभियान के तहत, आईएसपी सतर्कता विभाग ने दो नवम्बर को कॉन्फ्लुएंस में एक मास्टर समारोह और पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्वरूप नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) ममता सारंगी उपस्थित थी.

कार्यक्रम की शुरुआत आईएसपी के सीजीएम विजिलेंस एवं एसीवीओ जितेंद्र यादव सपकले के स्वागत भाषण से हुआ, जिसमे उन्होने उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मियों, यूनियन के प्रतिनिधि, विक्रेता व ठेकेदारों के प्रतिनिधि तथा स्कूल के बच्चों का स्वागत करते हुए पारदर्शिता और हितधारकों के बीच विश्वास कायम करने के महत्व पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान अपने भाषण में मुख्य अतिथि ममता सारंगी ने एक स्वस्थ कार्य संस्कृति के लिए तीन आवश्यक स्तंभों- ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्व पर प्रकाश डाला तथा इस बात पर जोर दिया कि कर्मचारियों के लिए ऐसे मूल्य ही संगठन के भीतर विश्वास, खुलेपन और जिम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। उन्होने स्वीकार किया कि वे सेल के उच्च नैतिक मानकों, विजन स्टेटमेंट और उल्लेखनीय उपलब्धियों से विशेष रूप से प्रभावित हुईं।

अपने संबोधन के दौरान आईएसपी के कार्यपालक निदेशक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने रिश्वत विरोधी प्रबंधन प्रणालियों के कार्यान्वयन और निष्पक्ष और पारदर्शी व्यापारिक व्यवहार के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं पर अमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने खेल की दुनिया मे घटित एक रोचक वाकये के माध्यम से ईमानदारी की शक्ति को स्पष्ट रूप से चित्रित किया, जो दर्शकों को बहुत ही पसंद आया और एक अमिट छाप छोड़ गया।

ममता सारंगी व श्री सिंह की उपस्थिति और विचारशील शब्दों ने उपस्थित लोगों को ईमानदारी की संस्कृति को अपनाने और भ्रष्टाचार मुक्त और नैतिक कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों जैसे की ईडी (वर्क्स) मनीष राज गुप्ता, ईडी (प्रोजेक्ट्स) सुरजीत मिश्रा और ईडी (एमएम) अभिक डी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह अभियान के दौरान आयोजित निबंध लेखन, भाषण, पोस्टर सह स्लोगन, क्विज प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। विजेताओं के साथ निर्णायकों और क्विज मास्टर्स ने भी सम्मानित किया।

महाप्रबंधक (सतर्कता) अजय कुमार भास्कर ने धन्यवाद प्रस्ताव के साथ आदान-प्रदान से हितधारकों के बीच साझेदारी को मजबूत करने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

वीएडब्ल्यू-2024 की थीम 'सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि" पर यह पहल ईमानदारी और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति सेल की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

कोल इंडिया लिमिटेड अब प्रमाणित रूप से 'ग्रेट प्लेस टू वर्क'

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (कोलकाता): कोल इंडिया लिमिटेड को आधिकारिक रूप से काम करने के लिए एक बेहतरीन जगह के रूप में 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' प्रमाणित किया गया है। यह मान्यता कोल इंडिया लिमिटेड की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो कंपनी की कार्यस्थल संस्कृति की ताकत और कर्मचारियों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को उजागर करती है। यह प्रमाणन कंपनी की नीतियों, प्रथाओं और कर्मचारी जुड़ाव रणनीतियों की प्रभावशीलता को दर्शाता है। यह एक समावेशी, प्रगतिशील और सशक्त वातावरण बनाने के लिए कंपनी के समर्पण को दर्शाता है जहाँ हर कोई कामयाब हो सके।

संयुक्त उद्यम से शुरू हुई अभया क्लिनिक

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (खड़गपुर): पश्चिम बंगाल विज्ञान मंच पश्चिम मेदिनीपुर जिले के प्रबंधन के तहत डॉक्टरों के संयुक्त मंच के सहयोग से निशुल्क चिकित्सा शिविर 'अभया क्लिनिक' आयोजित किया गया। उपस्थित चिकित्सकों ने क्षेत्र के 102 मरीजों को देखा और मरीजों को उनके नुस्खे के अनुसार निःशुल्क दवाएँ प्रदान कीं। उपस्थित जनता के साथ एक संक्षिप्त चर्चा चक्र भी आयोजित किया गया। प्रोफेसर डॉ. अमित रॉय, डॉ. स्वरूप सांतरा, डॉ. इंदुदीपा सिन्हा और डॉ. अमर्त्य चटर्जी ने क्लिनिक में भाग लिया और मरीजों को देखा। प्रोफेसर डॉ. अमित रॉय ने अपने भाषण में स्वास्थ्य क्षेत्र में हर स्तर पर भ्रष्टाचार का जिक्र किया और विरोध आंदोलन का आह्वान किया। विज्ञान मंच की ओर से जिला सचिव डा. सुधापद बोस ने उपस्थित सभी डॉक्टरों, संगठन नेताओं, फार्मासिस्टों को धन्यवाद दिया।

खड़गपुर रेल मंडल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (खड़गपुर): दक्षिण पूर्व रेलवे खड़गपुर रेल मंडल "सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2024" मना रहा है। इस संबंध में सोमवार को खड़गपुर सीनियर डीसीएम/आलोक कृष्ण की अध्यक्षता में विक्रेता सह ग्राहक शिकायत बैठक आयोजित की गई।

सोनाली परुआ, सहायक सीनियर डीसीएम की ओर से वाणिज्यिक प्रबंधक ने बैठक के दौरान उपस्थित विक्रेताओं और ठेकेदारों के साथ सफाई, पार्किंग, पूछताछ काउंटर, जीएसटी डेटा फीडिंग, कैटरिंग स्टॉल की आउटसोर्सिंग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

उक्त बैठक में लगभग 10 विक्रेताओं और ग्राहकों ने भाग लिया और सुरक्षा जमा की देर से वापसी और बोली लगाने के दौरान आने वाली तकनीकी समस्याओं जैसे कुछ मुद्दों पर प्रकाश डाला। श्रीमती परुआ ने बैठक के दौरान उठाई गई सभी शिकायतों और सुझावों को सुना और उन पर ध्यान दिया और उपस्थित लोगों को इसके बारे में सकारात्मक परिणामों का आश्वासन दिया। अधिकारियों के मुताबिक ग्राहकों ने सुचारू बिल निकासी प्रक्रिया और निष्पक्ष एवं निष्पक्ष ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया के बारे में भी अपनी संतुष्टि व्यक्त की।

छठ व्रतियों के लिए नियामतपुर में वैकल्पिक रास्ता का निर्माण

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (नियामतपुर): कुल्टी विधानसभा अंतर्गत नियामतपुर और सीतारामपुर क्षेत्र में छठ व्रतियों के लिए पूजा स्थलों तक पहुँचने में किसी तरह की कठिनाइयों का सामनाना करना पड़े, इसे लेकर नियामतपुर छठ पूजा समिति ने एक वैकल्पिक रास्ता बनाने के लिए कदम उठाया है।

वार्ड संख्या 59, 60 और 61 के छठ व्रती सामान्यतः नियामतपुर के जीटी रोड, लिथुरिया रोड और न्यू रोड से होकर सरकार पोखर घाट तक पहुँचते हैं।

वहीं सीतारामपुर के वार्ड संख्या 18 और 19 के छठ व्रतियों को सीतारामपुर स्टेशन के रास्ते से होते हुए बेलरुई स्कूल से होते हुए लम्बा रास्ता तय करना पड़ता है। इस दूरी के कारण विशेष रूप से वृद्ध और महिला छठ व्रतियों को अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी श्रद्धा में बाधा उत्पन्न होती है।

इस समस्या के समाधान के लिए नियामतपुर छठ पूजा समिति के अध्यक्ष शिवप्रसाद राउत (चुनचुन) के नेतृत्व में जेसीबी मशीन की सहायता से एक वैकल्पिक रास्ता निर्माण कार्य का आरंभ किया गया है।

इससे बेलरुई स्कूल से सीधे सरकार पोखर घाट तक पहुँचने का सुगम रास्ता सुलभ हो जाएगा। छठ पूजा समिति के अध्यक्ष ने जानकारी दी कि यह मार्ग स्थानीय छठ व्रतियों की सुविधा के साथ-साथ उनकी धार्मिक आस्था के प्रति सम्मान दर्शाने का एक प्रयास है।

शिवप्रसाद राउत उर्फ चुनचुन ने कहा कि हर साल साल भांति इस साल भी व्रतियो को छठ पूजा कमिटी द्वार हर सुविधा प्रदान की जाएंगी। समिति द्वारा छठ घाट का पक्कीकरण किया गया है, वहीं निगम द्वारा भी 100 फुट पक्की करण का कार्य किया गया है। साफ सफाई का विशेष ध्यान रखते हुए काली पूजा के पहले से ही साफ सफाई का कार्य किया जा रहा हैं, वहीं निगम के द्वारा भी सफाई का कार्य जारी है।

छठ स्पेशल ट्रेनों के लिए सुरक्षित और निर्बाध यात्रा सुनिश्चित

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (आसनसोल): दिवाली और छठ त्योहारों की तैयारी में पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने यात्रियों के लिए सुरक्षित, आरामदायक और कुशल यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए व्यापक उपाय लागू किए हैं। इन त्योहारों के सांस्कृतिक महत्त्व और यात्रा की मांग में वृद्धि को देखते हुए, मंडल के कई स्टेशनों पर यात्रियों की सहायता के लिए अतिरिक्त अधिकारी, कर्मचारी और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों को तैनात किया गया है। रणनीतिक भीड़ प्रबंधन पर मुख्य रूप से ध्यान दिया गया है, जिसमें रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और वाणिज्यिक विभाग के कर्मचारियों को विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और दिव्यांग यात्रियों को चढ़ने में सहायता प्रदान करने के लिए काफी अधिक भीड़ होने वाले क्षेत्रों में तैनात किया गया है। भीड़भाड़ को रोकने और सुचारू, समय पर चढ़ने को सुनिश्चित करने में मदद करने के लिए स्पष्ट दिशात्मक संकेत और त्वरित शिकायत निवारण तंत्र शुरू किए गए हैं।

यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेलवे ने स्पेशल ट्रेनें शुरू की हैं और आसनसोल तथा आस-पास के स्टेशनों से नियमित सेवाओं की आवृत्ति में वृद्धि की है। ट्रेन संख्या 03511 (आसनसोल-पटना स्पेशल) ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों ने ऐसे प्रयासों की सराहना की है तथा प्रबंधन को कुशल और यात्री के अनुकूल बताया गया।

आसनसोल मंडल सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे स्टेशन पर कार्यरत कार्मिक और आरपीएफ कर्मियों द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें, व्यवस्थित कतार बनाए रखें और अंतिम समय में होने वाले भीड़भाड़ से बचने के लिए पर्याप्त समय से स्टेशन पर पहुँचें। यात्रियों को निर्दिष्ट प्रवेश और निकास प्वाइंट का उपयोग करने और किसी भी सहायता के लिए साइट पर मौजूद कर्मचारियों से संपर्क करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

आसनसोल रेल मंडल द्वारा छठ पूजा के लिए जलाशयों की सफाई की पहल

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (आसनसोल): शुभ छठ पूजा उत्सव की तैयारी में आसनसोल मंडल ने पानागढ़, सीतारामपुर और आसनसोल सहित प्रमुख जलाशयों में व्यापक सफाई पहल की है। इस आवश्यक कार्य का उद्देश्य सूर्य देव की पूजा से जुड़े पारंपरिक अनुष्ठान करने वाले भक्तों के लिए स्वच्छ और पवित्र वातावरण प्रदान करना है। छठ पूजा, एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक उत्सव है, जिसमें जलाशयों/नदी/तालाबों में अर्घ्य देते हैं और प्रार्थना करते हैं और अपनी पारंपरिक अनुष्ठान करते हुए पवित्र पूजा स्नान में भाग लेते हैं।

उक्त अनुष्ठान में काफी संख्या में शामिल होने वाले लोगों के लिए स्वच्छता और पहुँच के महत्व को समझते हुए आसनसोल मंडल ने इन जलाशयों की सावधानीपूर्वक सफाई की है, मलबे को हटाया है और स्वच्छता सुनिश्चित की है। इस अवसर के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाने वाले वातावरण को बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रत्येक जलाशय को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है ताकि भक्तगण आसानी और श्रद्धा के साथ अपने अनुष्ठान कर सकें, जिससे छठ पूजा के लिए आवश्यक पवित्र वातावरण बनाया जा सके।

धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठानों का समर्थन करने के लिए मंडल की प्रतिबद्धता इस प्रतिष्ठित त्योहार के लिए एक सुरक्षित, प्राचीन वातावरण प्रदान करने के लिए इसके सक्रिय उपायों में मंडल की स्पष्टता को दर्शाता है। पानागढ़, सीतारामपुर और आसनसोल में स्वच्छ जलाशयों को सुनिश्चित करके मंडल जन कल्याण और समुदाय द्वारा पारंपरिक परंपराओं के प्रति सम्मान के प्रति अपने समर्पण को मजबूत करता है। इन प्रयासों के माध्यम से आसनसोल मंडल भक्तों के आध्यात्मिक अनुभव में सार्थक योगदान देता है, उक्त अनुष्ठान में श्रद्धालुओं के जीवन में इस पर्व की गहरी जड़ों की सम्मान करती हैं

उद्यान ग्रुप द्वारा काली पूजा के अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (नियामतपुर): उद्यान ग्रुप द्वारा काली पूजा के अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम के साथ चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. साथ ही नृत्य-संगीत सहित कई सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी हुआ. जिसमें भाग लेने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कृत किया गया.

ग्रुप के संयोजन कंचन राय ने कहा कि कुल्टी क्षेत्र में प्रतिभावान बच्चो की कोई कमी नहीं है, जरुरत है तो सिर्फ उन्हें बेहतर मंच प्रदान करने की. इसी को ध्यान में रखते हुए हमारे ग्रुप द्वारा प्रत्येक वर्ष की भाँती इस वर्ष भी मां काली की पूजा अर्चना के साथ चित्रांकन प्रतियोगिता सहित रंगारंग कार्यक्रम के साथ प्रतिमा का विसर्जन किया गया.

इस कार्यक्रम के दौरान कुल्टी ब्लॉक टीएमवाईसी अध्यक्ष बिमान दत्ता, पूर्व पार्षद नेपाल चौधरी के आलावा उद्यान ग्रुप के सदस्यगण उपस्थित थे, सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम् भूमिका निभाई.

राष्ट्रीय कांग्रेस ने छठ व्रतियों के बीच बांटे पूजा सामग्री

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (दुर्गापुर): सोमवार को दुर्गापुर के वार्ड नंबर 34 में कांग्रेस कार्यालय के सामने पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं प्रांत कांग्रेस नेता तरूण रॉय ने सैकड़ों छठ ब्रतियों को छठ उत्सव का सामान एवं साड़ियां प्रदान किया।

मौके पे अल्पसंख्यक सेल के नेता इस्लाम खान एवं नसीमुल्लाह खान, युवा कांग्रेस नेता राजू घोष और संगीता घोष समेत अन्य नेता गण मौजूद थे। मौके पे तरूण रॉय ने कहा कि, छठ पर्व पूरे हिंदुस्तान का महान पवित्र पर्व है। और आज हमलोग इस छठ पर्व के उपलक्ष पे छठ की सामग्री छठब्रतियों को सौंपते हुए गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

छठ पूजा को लेकर बराकर फाड़ी परिसर में शांति समिति की बैठक

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (बराकर): आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के कुल्टी थाना अंतर्गत बराकर फाड़ी के प्रभारी सुकांत दास के नेतृत्व में आज दोपहर छठ पूजा के अवसर पर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से बराकर फारी के प्रभारी सुकांत दास, बराकर सब ट्रैफिक गार्ड प्रभारी मोहम्मद अली, स्थानीय पार्षद अशोक पासवान, समाजसेवी पप्पू सिंह, टीएमसी नेता सुब्रत भादुड़ी, समीर घोष, शहनवाज अंसारी, रिंकू खान गुड्डु खान समेत अन्य उपस्थित थे। क्षेत्र के प्रमुख लोग भी मौजूद थे। इस बैठक के जरिए इस बात पर अहम चर्चा की गई कि ट्रैफिक व्यवस्था कैसे की जा सकती है और जहां तीन बड़े घाट हैं वहां पुलिस की व्यवस्था कैसे की जाएगी। इसके अलावा भी कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

नहाय खाय के साथ छठ व्रत का शुभारंभ आज से

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (पांडवेश्वर): नहाय खाय के साथ मंगलवार से शुरु होने वाला लोक आस्था का चार दिवसीय छठ पर्व को लेकर पांडवेश्वर और आसपास में छठ घाटों और तालाबों की साफ सफाई का कार्य जोर शोर से किया जा रहा है,

डालुरबांध स्तिथ पोखरिया छठ घाट की सफाई कर रहे लोगों ने बताया कि पोखरिया छठ घाट का पानी बहुत साफ रहता हैं, लेकिन आसपास के लोगों द्वारा पूजा का फूल और प्रतिमा का विसर्जन तालाब में करने से तालाब का पानी खराब हो जाने से प्रत्येक वर्ष डालूरबांध सार्वजनिक छठ पूजा कमेटी की ओर से तालाब और छठ घाट की साफ सफाई के साथ छठ व्रतियों को सेवा की जाती हैं, कमेटी की ओर से दो वर्षों से निर्माणाधीन सूर्य मंदिर निर्माण कार्य पूरा नहीं होने से छठ व्रतियों को असुविधा हो रही है,

इस संबध में डालुरबांध सार्वजनिक छठ पूजा कमेटी के सदस्यों का कहना था की सूर्य मंदिर का निर्माण में देरी की वजह बारिश और मौसम की मार है, इसलिए सूर्य मंदिर निर्माण कार्य में देरी हुआ, लेकिन अब कार्य अंतिम चरण में है और छत की ढलाई हो गई है और जल्द ही सूर्य मंदिर भक्तों के लिए खोल दिया जायेगा.

सीतारामपुर रेलवे पम्पू तालाब की साफ सफ़ाई को लेकर डीआरएम को ज्ञापन

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (नियामतपुर): सीतारामपुर रेलवे पम्पू तालाब की साफ सफ़ाई के साथ महापर्व छठ घाट पर आने वाले छठव्रतियों के लिये सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित किये जाने को लेकर आसनसोल रेल मंडल प्रबंधक (डीआरएम) को भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने लिखित आवेदन पत्र दिया।

उक्त आवेदन पत्र आसनसोल जिला कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सह आसनसोल जिला भाजपा सदस्य विनोद सिंह सोलंकी एवं कुल्टी विधानसभा के भाजपा नेता सह समाज सेवक टिंकु वर्मा ने दिया।

सीतारामपुर पम्पू तालाब के साफ़ सफ़ाई के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर बिनोद सिंह सोलंकी ने कहा कि छठ घाट की दयनीय अवस्था को देख डीआरएम को पत्र लिखा गया। रेलवे का तालाब हैं, छठ घाट की साफ सफ़ाई भी रेलवे को ही कराना हैं। 10 वर्षों से हम टिंकु वर्मा, विवेकानंद भट्टाचार्य दुर्गापूजा के बाद से ही साफ सफ़ाई को लेकर आवेदन पत्र देते आ रहे हैं। इस बार हम से चूक हुआ, हम पत्र देने में विलंब कर गए। परतुं रेलवे की ओर से खुद साफ सफ़ाई को लेकर कोई सक्रिय भूमिका नहीं दिखा। इस बाबत हमें लिखित ज्ञापन आज देना पड़ा।

इस संदर्भ में टिंकु वर्मा ने कहा कि रेलवे को प्रत्येक वर्ष हमें याद दिलानी पड़ती हैं, यह पम्पू तालाब आपका हैं और यहाँ सनातन धर्म का सबसे प्रमुख पवित्र महापर्व छठ घाट की साफ सफ़ाई का जिम्मा रेलवे का हैं। महापर्व छठ पूजा के समय सीतारामपुर पम्पू तालाब छठ घाट की अनदेखी को लेकर प्रधानमंत्री को ट्यूटर से आवेदन करने पर युद्ध स्तर में साफ सफ़ाई और सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित किया गया था। श्री वर्मा ने कहा महापर्व छठ पूजा सीतारामपुर में शांति पूर्ण से हमेशा मनाई गई हैं और इस बार भी रेलवे प्रशासन की मदद से सम्पन्न होगा।

मैट्रिक पास के नाम डॉक्टर की डिग्री पर फर्जीवाड़े का खुलासा, डॉक्टर की उपाधि देने का मामला विवादों में

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (आसनसोल): एक हालिया घटना में, सुजीत मोदी नामक एक व्यक्ति, जो केवल मैट्रिक पास है, के खिलाफ गंभीर आरोप सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार, सुजीत मोदी पर यह आरोप है कि वह अखिल भारतीय मजदूर कल्याण सेवा संघ नामक एनजीओ के नाम से सरकारी मुहर (अशोक स्तंभ) का उपयोग कर रहा था। भारत सरकार द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए उसके द्वारा लगाए जा रहे इस मुहर पर तत्काल रोक लगा दी गई थी।

हालांकि, कुछ समय बाद सुजीत मोदी एक अन्य एनजीओ से जुड़ गया और वहां से डॉक्टर की उपाधि प्राप्त कर ली। इस घटनाक्रम ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि किसी भी एनजीओ को डॉक्टर की उपाधि देने का अधिकार किसने दिया?

इसके अलावा, सुजीत मोदी द्वारा प्राप्त डॉक्टर के सर्टिफिकेट पर एक बार फिर से अशोक स्तंभ का चिन्ह पाया गया, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि वह किसी सरकारी डॉक्टर के प्रमाणपत्र जैसा है। इस तरह के कार्य ने कई लोगों के मन में संदेह पैदा कर दिया है और इसे फर्जीवाड़ा माना जा रहा है।

गौरतलब है कि सुजीत मोदी जैसे मैट्रिक पास व्यक्ति द्वारा इस तरह की उपाधि हासिल करना और फिर इसे लोगों को बेचने के आरोप में फंसना, एक गंभीर मामला है। आरोप है कि वह अन्य मैट्रिक पास लोगों से डॉक्टर बनाने के नाम पर अवैध रूप से पैसे वसूल रहा है।

सरकार और संबंधित जांच एजेंसियों से आग्रह है कि इस पूरे मामले की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही, आम जनता से अपील है कि वे इस प्रकार की फर्जी गतिविधियों से सावधान रहें और सत्यापन के बिना किसी भी प्रकार के प्रमाणपत्र या उपाधि पर विश्वास न करें।

दामोदर घाटी निगम, ताप विद्युत केन्द्र में सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह का समापन

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (दुर्गापुर): इस वर्ष में "सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि" के मूल मंत्र पर विगत दिनांक 28 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से मनाया गया।

सतर्कता के ऊपर स्लोगन लिखन, भाषण प्रतियोगिता, रंगोली चित्र प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, समूह चर्चा इत्यादि कार्यक्रम कर के लोगों में सतर्कता पर जागरूकता लाया गया।

सतर्कता पर जागरूकता समापन कार्यक्रम में वरीय महाप्रबंधक व परियोजना प्रधान सुकुमार साहा ने कहे कि आप सभी डीटीपीएस टीम एवं सतर्कता विभाग ने विगत दिनांक 28 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से जो सफलता पूर्बक मनाया जो सराहनीय है सभी सतता को अपना जीवन में अपना कर न ग़लत करेंगे न ग़लत होने देंगे से कार्य करते रहें।

सतर्कता जागरूकता के विषय में विभिन्न प्रतियोगिता में जो अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिए थे उन सभी को पुरस्कार वितरण भी किया गया।

इस समापन समारोह में डॉ रोजित भट्टाचार्जी, बासुदेब मण्डल, गोपा चक्रवर्ती, राम बचन राव, कुमुद रंजन झा, पलास राय, दिग्बिजय राय, शशिकांत, पिंकी जयसवाल, अपर्णा समान्त, मधुमिता साहा इत्यादि अधिकारी व कर्मचारियों ने उपस्थित थे। सतर्कता जागरूकता के विषय में विभिन्न प्रतियोगिता में जो अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिए थे उन सभी को पुरस्कार वितरण भी किया गया।

"सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि" पर पूरा कार्यक्रम सुदिप्ता पाँजा वरीय प्रबंधक विजिलेंस के माध्यम से सफलता पूर्बक संपन्न हुआ एवं सबको धन्यवाद ज्ञापन भी किए।

आज का राशिफल

05 नवम्बर 2024
मंगलवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन उत्तम रहेगा। सामाजिक मान सम्मान में वृद्धि होगी। लोग आप से आकर्षित रहेंगे। राजनीति में कोई बढ़िया मौका मिल सकता है। परिवार में माहौल खुशनुमा रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा। अर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

वृषभ
दिन बढ़िया रहेगा। जिम्मेदारी से कार्य को सम्पन्न करें। परिवार में अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। पुराना लेनदेन समस्या लेकर आ सकता है। नए काम की शुरुआत करना अच्छा रहेगा। परिजन से सहयोग प्राप्त होगी।

मिथुन
दिन अच्छा रहेगा। आवश्यक कार्य पूरे होंगे। कामकाज की गति तेज रहेगी। विपक्षी से सावधान रहना होगा। अपने काम के लिए एक बजट बना कर चलना आपके लिए बेहतर रहेगा। बिजनेस में आपको अच्छा लाभ मिलेगा।

कर्क
दिन अच्छा रहेगा। पैतृक संपत्ति संबंधित मामले में खुशखबरी मिलेगी। सहकर्मी आपसे किसी बात को लेकर उलझ सकते हैं। उत्साह पूर्वक काम में आगे बढ़ेंगे, तो सफलता अवश्य मिलेगी। उधार लेने से बचे। सेहत का ध्यान रखे।

सिंह
दिन मिलाजुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में योग्यता अनुसार काम मिलेगा। नौकरी में शुभ सूचना मिल सकती है। अपने रोजमर्रा के कामों को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे। बाहरी व्यक्ति से सलाह मशवरा ना करें। स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा।

कन्या
दिन उत्तम रहेगा। भाग्य के दृष्टिकोण से मजबूती आएगी। धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। बिजनेस में मन मुताबिक लाभ मिलेगा। संबंधियों के साथ आपको तालमेल बनाकर रखना होगा। स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

तुला
दिन सामान्य रहेगा। काम के लिए कोई एक लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ें। ठग लोगों से सावधान रहना होगा। शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय ना लें। कारोबारिक पार्टनर पर पूरी निगरानी रखें। परिवार में खुशियाँ रहेंगी।

वृश्चिक
दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहेगा। संतान के करियर को लेकर चिंता समाप्त होगी। कोई नई संपत्ति की प्राप्ति होगी। काम समय रहते पूरा होगा। किसी काम में लापरवाही बिल्कुल ना करें। ननिहाल पक्ष से सम्मान मिलेगा।

धनु
दिन मिलाजुला रहेगा। स्वास्थ्य कमजोर रहने वाला है। लेन-देन के मामले में सावधानी बरतनी होगी। कला व कौशल के क्षेत्र में कामयाब रहेंगे। लंबे समय से लटका हुआ काम पूरा हो सकता है। पनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा।

मकर
दिन महत्वपूर्ण रहेगा। आय और व्यय में तालमेल बनाकर रखें। बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए कुछ योजनाएं बनानी होंगी। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार में माहौल खुशनुमा रहेगा। खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कुंभ
दिन सामान्य रहेगा। बिजनेस के मामले में किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशवरा लें। टीमवर्क के जरिए काम करके आपको लाभ मिलेगा। आपके अंदर प्रेम व सहयोग की भावना बनी रहेगी। जिद व बहसबाजी करने से बचना होगा।

मीन
दिन शुभ रहेगा। कार्यक्षेत्र में तरक्की मिलेगी। आलस्य को त्याग कर आगे बढ़ेंगे। लोगो से मेलजोल बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई शुभ सूचना मिल सकती है। वाणी की मधुरता को बनाए रखे।

धनबाद में कांग्रेस प्रत्याशी अजय कुमार दुबे ने चलाया जनसंपर्क अभियान

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (धनबाद): सोमवार को धनबाद विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी अजय कुमार दुबे ने पुटकी बाजार, प्रभु चौक, मुनीडीह बाजार, भागाबांध, कोक प्लांट-पुटकी एवं बैंक मोड़ बिरसा चौक से जयप्रकाश चौक होते हुए धोवाटांड़ सहित विभिन्न जगहों पर जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों से कांग्रेस पार्टी के पक्ष में मतदान करने का आह्वान किया। जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम के क्रम में ग्रामीण एकता मंच के संयोजक रणजीत सिंह जो पिछला चुनाव लड़े थे उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी अजय कुमार दुबे से मुलाकात कर चुनाव में समर्थन देने की घोषणा किया। मौके पर धनबाद विधानसभा के इंडिया गठबंधन कांग्रेस प्रत्याशी अजय कुमार दुबे ने कहा कि जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान धनबाद विधानसभा क्षेत्र की जनताओं के द्वारा अपार समर्थन व आशीर्वाद से अभिभूत हूं, आगे उन्होंने कहा कि धनबाद विधानसभा की सर्वांगीण विकास के साथ-साथ बेहतर धनबाद बनाने की पहली प्राथमिकता होगी, उन्होंने कहा कि जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान सभी समुदायों के लोगों का अपार समर्थन मिल रही है, धनबाद विधानसभा में विकास कार्य करने के मामले में पिछले 10 वर्षों में बीजेपी ने धनबाद को छलने का काम किया है, क्षेत्र की जनता भाजपा की गलत नीतियों के साथ-साथ इनके चाल, चेहरा और चरित्र को समझ चुकी हैं, भाजपा से लोगों का मोहभंग हुआ है और निश्चित रूप से इस चुनाव में धनबाद की जनता इंडिया गठबंधन के पक्ष में मतदान कर कांग्रेस प्रत्याशी को ऐतिहासिक जीत दिलाने का काम करेंगी, इस चुनाव में धनबाद की जनता का आशीर्वाद और समर्थन मिला तो निश्चित रूप से धनबाद की ज्वलंत समस्याओं का निराकरण करने के साथ-साथ लोगों के बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्रमुखता होगी लोगों के बेहतर शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, पानी व सड़क की व्यवस्था सुनिश्चित करवाने के साथ-साथ युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में प्रयास मेरी प्राथमिकता होगी। आगे उन्होंने कहा कि देश महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकटों से जूझ रही है, बीजेपी के गलत नीतियों के कारण युवा बेरोजगारों में बढ़ोतरी हुई है, लोग भाजपा के क्रियाकलाप से आक्रोशित एवं हतोत्साहित हैं, इंडिया गठबंधन के प्रति लोगों का विश्वास जगा है और निश्चित रूप से इस बार धनबाद विधानसभा की जनता इंडिया गठबंधन कांग्रेस के पक्ष में भारी मात्रा में मतदान कर भाजपा को आईना दिखाने का काम करेगी और निश्चित रूप से इस चुनाव में धनबाद विधानसभा से इंडिया गठबंधन की ऐतिहासिक जीत होगी।मौके पर मुख्य रूप से धनबाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष रशीद राजा अंसारी, मदन महतो, मनोज यादव, राजेश्वर सिंह यादव, कयूम खान, लक्ष्मण तिवारी, योगेंद्र सिंह योगी, दिनेश यादव, मंटू दास, महेंद्र दुबे, गुड्डू खान, जितेश सिंह, दीपक सिंह, प्रभात सुरुलिया, पप्पु कुमार तिवारी, पप्पू पासवान, हुमायूं राजा, निवारण महतो, बबलू दास, मृत्युंजय सिंह, प्रीतम रवानी, साहिर खान, अरविंद सैनी, राजीव कुमार, रखाल दास, अजय पासवान, गुड़िया देवी सहित सैकड़ो कांग्रेसजन उपस्थित थे।

झारखंड में लूट खसौट रंगदारी और हत्याओ से निजात मिलेगी जनता करें बदलाव- रागिनी सिंह

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (धनबाद): 5 वर्षों में कांग्रेस और जेएमएम की सरकार ने झारखंड में सिर्फ लूटने का काम किया. कोयलांचल में लुट खसोट, रंगदारी और हत्याएं को देखने को मिला, इस सरकार से आम जनता काफी त्रस्त हैं. ये उक्त बातें सोमवार को भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह ने जयरामपुर मोड़ में सभा के दौरान कहीं. इस दौरान प्रत्याशी तीसरा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चला कर भाजपा के पक्ष मतदान करने की अपील की. कहा कि झरिया विधानसभा के कौने कौने में भाजपा की जीत की गूंज हैं. पांच साल में इस सरकार न झारखंड का हाल बुरा कर दिया. सरकार ने लूट, झूठ, भ्रष्टाचार, माफिया तंत्र व परिवारवाद को बढ़ावा दिया. केंद्र ने झारखंड के विकास के लिए जो पैसे दिए उसे भी हड़प लिया. इसलिए लूट-झूठ की सरकार को हटाकर भाजपा-एनडीए की सरकार बनाएं. झारखंड में जब डबल इंजन की सरकार होगी तो राज्य का तेजी से विकास होगा. इस दौरान जयरामपुर मोड़ निवासी मोनू कुमार सिंह ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में जनता ने बहुत कुछ खोया हैं.

जयरामपुर के रहने वाले सोनू सिंह को गोली मार कर अपंग बना दिया. जिला प्रशासन वैसे आपराधिक प्रवृत्ति लोगो पर कार्रवाई नहीं किया गया. खुलेआम घूम रहे हैं झरिया के व्यवपारी वर्ग डरे सहमे हैं. झरिया की जनता 5 सालों में सब कुछ जान चुका हैं. इस बार जयरामपुर मोड़ के लोग भाजपा के पक्ष मतदान कर प्रत्याशी रागिनी सिंह को भारी मतों से जीत दिलाने काम करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा झरिया विधानसभा स्तरीय चुनावी सभा का आयोजन बलियापुर स्टैंड के समीप संपन्न हुआ जहा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज धनबाद महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय हरीश जोशी युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रूपेश सिन्हा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष नित्यानंद मंडल ध्रुव हरी शैलेश सिंह चंद्रवंशी महावीर पासवान संतोष झा रिंकू सिंह युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष राहुल सोनी चीकू महतो राहुल गुप्ता नगीना पासवान प्रेम नोनिया मौजूद रहे वही कार्यक्रम प्रभारी उमेश यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन रवि मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह उपस्थित हुई इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी श्रीमती रागिनी सिंह ने कहा कि वर्तमान हेमंत सरकार ने युवाओं को 5 लाख रोजगार की गारंटी दी थी शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने की बात कही थी जिसे उन्होंने कभी पूरा नहीं किया और युवाओं को छलने का काम किया है इस गूंगी बहरी सरकार ने युवाओं को किसी प्रकार की सहायता नहीं की है युवा अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं और भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने इस सरकार को प्रदेश से उखाड़ फेंकने का फैसला ले लिया है और आगामी विधानसभा चुनाव में झरिया से रिकॉर्ड मतों से भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाने का मन बना लिया है.

सीएफएम संक्षिप्त

छठ महापर्व में फ्लाईओवर ब्रिज में अंधेरा छाया रहेगा

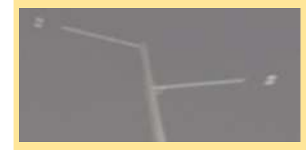

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (निरसा): नवनिर्मित रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज में अभी कुछ माह पहले लगाए गए दोनों ओर बल्बों में से पिछले कुछ सप्ताह से एक ओर के लगभग सभी बल्ब रात में जल नहीं रहे हैं। शाम के समय पूरे ब्रिज में एक तरफ काफी अंधेरा छाया रहता है, जिससे आने जाने वाले राजगीरों और टहलने वाले ग्रामीणों में भय व्याप्त रहता है। अगर इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो छठ महापर्व में फ्लाईओवर ब्रिज में अंधेरा छाया रहेगा। मिली जानकारी के अनुसार जल्द ही इस तकनीकी समस्या का समाधान कर बल्बों को जला दिया जाएगा!

भाजपा प्रत्याशी तारा देवी के पक्ष में सांसद ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (धनबाद): सिंदरी विधानसभा भाजपा प्रत्याशी तारा देवी के पक्ष में धनबाद सांसद ढुलु महतो ने पर्जन्य बीएड कॉलेज में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया, लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। वहीं सिंदरी विधानसभा के बलियापुर (बाघमारा) पंचायत के चालक टोला मे जनसम्पर्क करके विधायक पुत्र प्रशांत महतो ने अपने माँ के पक्ष मे लोगो से वोट देने कि अपील किया।

जन संपर्क अभियान में शत्रुध्न महतो को जनता का समर्थन मिल रहा है

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (धनबाद): बाघमारा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी शत्रुघ्न महतो के जारी जन संपर्क अभियान में उन्हें जनता का समर्थन प्राप्त हो रहा है। वे जहां भी चुनावी अभियान के तहत जा रहे हैं, लोगों द्वारा उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया जा रहा है। अभियान के तहत उन्होंने बाघमारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बाघमारा प्रखंड के तेलमोचो पंचायत के ग्राम कुँजी आदिवासी टोला में जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। यहाँ उन्होंने चुनावी मुद्दों को सामने रखकर सभी से समर्थन मांगा और बाघमारा में विकास के रफ्तार को बरकरार रखने हेतु फिर से कमल खिलाने का निवेदन किया। इसके बाद वे ग्राम पंचायत तेलमोचो के हरिजन टोला में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित कर जनता का स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त किया।

उपायुक्त एवं एसएसपी ने किया तोपचांची क्षेत्र के क्रिटिकल बूथों का निरीक्षण

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (धनबाद): जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक श्री एचपी जनार्दन ने तोपचांची स्थित मध्य विद्यालय धाजाटांड़ गणेशपुर के बूथ नंबर 217 एवं खामडीह स्थित बूथ नंबर 218 का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर तमाम सुरक्षा व्यवस्था कैसे सुनिश्चित हो, इसकी बारीकी से मुआयना किया गया। शांतिपूर्ण माहौल में विधानसभा चुनाव संपन्न कराने को लेकर संबंधित डीएसपी एवं थाना प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। एसएसपी ने पुलिस कर्मियों को निर्देश दिया कि संवेदनशील बूथ वाले क्षेत्रों की कानून व्यवस्था पर पैनी नजर रखें। साथ ही उपद्रवियों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई का निर्देश दिया। मौके पर एसडीपीओ बाघमारा पुरुषोत्तम कुमार सिंह समेत संबंधित थाना प्रभारी, कई अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

वाहनों की सघन जांच करने का दिया निर्देश

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (धनबाद): झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिले में 11 इंटर स्टेट एवं 5 इंटर डिस्ट्रिक्ट चेक पोस्ट बनाए गए हैं। चेक पोस्ट से गुजरने वाले हर वहनों की जांच की जा रही है। इसी संदर्भ में आज दिनांक 04 नवंबर 2024 को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने हरिहरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जीटी रोड पर स्थापित अमलखोरी चेक पोस्ट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने चेक पोस्ट पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सुरक्षा कर्मियों को जिले में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की सघन जांच करने तथा वाहनों का रजिस्ट्रेशन नंबर व ऑनर का नाम, पता, मोबाइल नंबर रजिस्टर में दर्ज करने का निर्देश दिया। साथ ही भारी मात्रा में नगदी, शराब, ज्वेलरी, नशीले पदार्थ सहित मतदाताओं को प्रलोभन देने वाली अन्य सामग्रियां मिलने पर जब्त करने का निर्देश दिया। वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक ने छोटे वहनों के साथ साथ बड़े वाहनों की भी औचक जांच करने का निर्देश दिया।

एनडीए प्रत्याशी विकास महतो के पक्ष में वोट के लिए गोलबंद हो रहे हैं टुंडी के मतदाता- गिरधारी महतो

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (धनबाद): आजसू पार्टी का राजगंज में बैठक आयोजित की गई। जिसमें टुंडी विधानसभा के एनडीए प्रत्याशी विकास महतो मुख्य रूप से उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे आजसू नेता गिरिधारी महतो ने कहा कि पहली बार टुंडी से माटी पुत्र को एनडीए का प्रत्याशी बनाया गया है इसलिए सभी आजसू कार्यकर्ता दिन रात मेहनत करते हुए घर घर जाकर विकास महतो के पक्ष में मतदान करने का प्रचार प्रसार करें।विकास महतो ने कहा कि टुंडी विधानसभा के हर गाँव मे भरपूर मात्रा में जनसमर्थन व आशीर्वाद मिल रहा है जिससे यह स्पष्ट है कि टुंडी विधानसभा राज्य में सबसे ज्यादा मतों से जीत का रिकॉर्ड बनाएगी। टुंडी प्रभारी रमेश कुमार राही ने कहा कि एनडीए जो कहती है उसे पूरा करती है लेकिन झामुमो की कहनी ओर कथनी में बहुत फर्क है जिसे जनता जान चुकी है इसलिए इसबार झामुमो को उखाड़ फेंकने का मन जनता बना चुकी है। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर सिंह, करण महतो, गिरिजाशंकर उपाध्याय, गौतम साव, सूरज सोनी, टिंकू शर्मा, सन्तोष चौरसिया, रेखा देवी, कोलेशर महतो आदि मौजूद थे।

जनसंपर्क कर झरिया विधायक ने लोगों से मांगी वोट

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (धनबाद): झरिया विधायक सह महागठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी पूर्णिमा नीरज सिंह ने झरिया के ऊपर डुमरी बस्ती व लाल बंगला में जनसंपर्क के माध्यम से घर-घर जाकर कांग्रेस के पक्ष में वोट करने की अपील की।

विधायक ने जनसंपर्क के दौरान कहा झरिया कि जनता से किए गए वायदे चाहे आरएसपी कॉलेज को झरिया वापस लाने की बात हो, अस्पताल बनाने की बात हो, जलापूर्ति की बात बात हो या राजा तालाब के पुनरुद्धार की बात हो हमने तय समय में पूरा किया है और जो अभी अभी निर्माणाधीन है वह अगले कुछ महीनों में पूरा कर लिए जाएंगे।

बता दें कि बीते दिनों विधायक जी ने टाटा महाप्रबंधक से वार्ता कर पूरे इलाके में 20 घंटे बिजली और निर्बाध बिजली की मांग की थी जिसके फलस्वरूप आज डुमरी मौजा के ग्रामीण बिजली और पानी का लाभ ले रहे हैं।

विधायक ने कहा एक ऐसा दौर भी था जब झरिया को टापू बनाने की साजिश रची जा रही थी और यहां हर दिन लोगों को बेघर किया जाता था। आज किसी की हिम्मत नहीं कि झरिया में सुरक्षित और सम्मानजनक पुनर्वास की सुविधा किए बगैर किसी का घर खाली हो जाए।

झरिया विधायक ने लोगों से अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उनके बेहतर शिक्षा के लिए और झरिया के लिए निरन्तर विकास के लिए महागठबंधन को वोट करने की अपील की।

मौके पर अशोक कुमार महतो, जीतन महतो, करण महतो, विजय तूरी, देवनाथ तूरी, दुलाल तूरी, टेकन तूरी, जलेश्वर तूरी, गौतम महतो, आदित्य महतो, अमन महतो, अजय कुमार महतो और प्रकाश तूरी समेत दर्जनों कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे।

सामान्य प्रेक्षक ने किया मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (धनबाद): सामान्य प्रेक्षक 43 -बाघमारा विधानसभा, श्री हर्षित पी० गोसावी (आई०ए०एस०) के द्वारा 43 -बाघमारा विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत अवस्थित विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। सामान्य प्रेक्षक द्वारा कांड्रा, चतरूतांड, छोटा पांडेडीह, बांगरा, राधानगर आदि में कुल 21 मतदान केंद्रो का निरीक्षण किया। सामान्य प्रेक्षक के द्वारा इन मतदान केन्द्रों से सम्बंधित मतदाताओं की कुल संख्या, महिला मतदाताओं की कुल संख्या, पीडब्लूडी मतदाताओं की कुल संख्या, 85+ मतदाताओं की कुल संख्या एवं होम वोटर की कुल संख्या आदि के सन्दर्भ में सम्बंधित बूथों के बीएलओ से जानकारी प्राप्त किया गया।सामान्य प्रेक्षक ने पेयजल, शौचालय एवं बिजली की स्थिति के सन्दर्भ में आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी, बाघमारा को मतदान केन्द्रों एवं उसके आस-पास सफाई की व्यवस्था दुरुस्त करने का निदेश दिया। निरीक्षण के दौरान सामान्य प्रेक्षक 43 -बाघमारा विधानसभा, हर्षित पी० गोसावी के साथ नगर मिशन प्रबंधक श्री अमनदीप उपस्थित थे।

मायुमं के दिवाली प्रीति मिलन समारोह में जले खुशियों की दीप

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (धनबाद): अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच झरिया शाखा द्वारा आज दिनांक चार नवंबर को अग्रेशन भवन झरिया मै दिवाली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष डॉ ओम प्रकाश अग्रवाल मारवाड़ी युवा मंच झरिया शाखा के अध्यक्ष अमित अग्रवाल व सचिव राजेश अग्रवाल ने दीप पलज्वलित वा मां लक्ष्मी वा अग्रेशन जी महाराज के तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया वही कार्यक्रम का संचालन नीतू अग्रवाल व निशा शर्मा जी ने किया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा एक से एक मनमोहक रंगोली बनाई गई वा हर जगह दीप जला कर एक दूसरे को दिवाली की शुभ कामनाएं दी। वहीं छोटे छोटे बच्चों सजा दो घर को गुलशन सा मेरे श्री राम आए है, अवध आज फिर से सजी है आदि गीतों पर नृत्य कर दर्शक का मनमोह लिया। कार्यक्रम मै कपल डांस, होजी, अंताक्षरी आदि खेल खेले गए।

वही मारवाड़ी युवा मंच झरिया शाखा के अध्यक्ष अमित अग्रवाल जी ने कहा कि इस वर्ष की दिवाली हम सभी हिन्दू भाइयों के लिए गर्व का विषय है क्यों कि इस वर्ष प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या में प्रभु विराजमान हुए है जो कि हम सभी हिन्दू भाई कितने वर्षों तक प्रयास किए। वही राष्ट्रगण से साथ कार्यक्रम की समाप्ति की गई। मौके पर मारवाड़ी युवा मंच के सभी पदाधिकारी वा सदस्य मौजूद थे।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

पिकअप वैन ने 4 को रौंदा, 3 की मौत

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (धनबाद): जिले के गोविंदपुर थाना क्षेत्र में फकीरडीह चौक के पास सोमवार को सुबह करीब 6 बजे एक पिकअप वैन ने 3 छात्रा और एक महिला को अपनी चपेट में ले लिया।

जिससे मौके पर ही 2 छात्रा और एक महिला की मौत हो गई। वही एक छात्रा गंभीर रूप से घायल है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि घटना के बाद से ही आक्रोशित लोगों ने जीटी रोड को घंटों जाम करके रख दिया। वही घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने कहा कि 3 छात्रा को एक महिला सुबह 6 बजे ट्यूशन के लिए ले जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही अनियंत्रित पिकअप वाहन ने रोड किनारे खड़े चारों को अपने चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर ही 3 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मरने वाले तीनों एक ही परिवार की थी। वही घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। वहीं घटना का दोषी झामुमो के धनबाद जिला सचिव मन्नू आलम ने एनएचआई को ठहराया है। उन्होंने मीडिया के समक्ष कहा कि यदि आज फ्लाईओवर बना होता तो तीन युवतियों की मौत नहीं होती। फ्लाईओवर नहीं बनने से जीटी रोड मौत का सड़क बन चुका है और ना जाने और कितने लोगों की और जान जाने वाला है। आक्रोशित लोगों ने मुआवजा को लेकर घंटों तक जीटी रोड को दोनों छोरों को पूरी तरह से जाम कर दिया।

भारतीय रेड क्रॉस समिति की मोक्ष वाहन की सेवा को लेकर बैठक

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (धनबाद): सोमवार को भारतीय रेडक्रास समिति धनबाद के कार्यकारिणी में चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह के अध्यक्षता में बैठक आहूत कि गई। जिसमें बैठक का संचालन संयुक्त सचिव दिलीप सिंह ने किया।

इस दरम्यान वाईस चेयरमैन धनेश्वर महतो एवं चेयरमैन सलाहकार सह कार्यकारिणी सदस्य कुमार मधुरेन्द्र सिंह, नोडल पदाधिकारी ब्लड बेनजीर परवीन नोडल पदाधिकारी वाहन देवेन्द्र कुमार एवं अनिल भगत नोडल पदाधिकारी स्वास्थ्य डाक्टर जिम्मी अभिषेक उपलब्ध रहें। बैठक में प्रमुखता से चर्चा कि गई कि मोक्ष वाहन की सेवा बहाल की जा रही है और उसमें सिविल सर्जन एवं अधीक्षक एसएनएमएमसीएच के लिखित पत्र पर लाल कार्ड धारकों को निःशुल्क मोक्ष वाहन धनबाद जिले के अंतर्गत उपलब्ध कराई जाएगी एवं अन्य को भारतीय रेडक्रास समिति धनबाद के द्वारा देय राशि पर ही ली जाएगी।

झामुमो नेता से मिलने उनके आवास पहुंचे इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार अरूप चटर्जी, चुनाव की तैयारियों पर की चर्चा

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (निरसा): इंडिया गठबंधन के निरसा विधानसभा उम्मीदवार अरूप चटर्जी अपने जनसंपर्क अभियान के दौरान सहयोगी दलों के नेताओं से मुलाकात करने पहुंचे। कुमारधुबी क्षेत्र में दौरे के दौरान रविवार की शाम वे झामुमो युवा नेता सह जिला परिषद सदस्य गुलाम कुरैशी जी से मुलाकात करने उनके आवास पर पहुंचे। मुलाकात के दौरान झामुमो नेता की धर्मपत्नी ने उनका स्वागत किया और उन्हें सपरिवार सम्मानित किया।

मीडिया से बातचीत के क्रम में उन्होंने अपने प्रमुख वादे और उद्देश्यों को लेकर बताया। उन्होंने कहा कि उनकी सबसे प्रमुख काम पानी और बेरोजगारी को दूर करना है। जिस जलापूर्ति योजना को वे शुरू कराए थे, उसे पुरा करके पूरे निरसा क्षेत्र को पानी मुहैया कराना है और बेरोजगारी की समस्या को दूर करना है!!

उन्होंने बताया कि जनता का आशीर्वाद इस बार जरूर मिलेगा क्योंकि उनके रुझान काफी सकारात्मक है। मौके पर मो. मुख्तार अली, मो. कासिम अंसारी, मो.सनव्वर, रोशन मिश्रा, रामजी यादव, मिनहाज आलम, मो.नौशाद, मो.मनव्वर, शलीम अंसारी आदि दर्जनों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे!!

धनबाद जिला के सभी छः विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों के निर्वाचन व्यय लेखा पंजी की हुई प्रथम जाँच

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (धनबाद): विधानसभा आम चुनाव 2024 के अंतर्गत, धनबाद जिला के सभी छः विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों के निर्वाचन व्यय लेखा पंजी की प्रथम जाँच आज व्यय प्रेक्षक, आर.ए. ध्यानी एवं श्री कुमार आदित्य द्वारा किया गया। इस दौरान व्यय अनुश्रवण कोषांग के पदाधिकारी एवं सहायक व्यय प्रेक्षक भी मौजूद रहें। इस दौरान सभी छः विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अभ्यर्थियों की ओर से निर्वाचन के दौरान प्रचार-प्रसार एवं अन्य दैनिक व्यय का लेखा संधारण निर्वाची पदाधिकारी की ओर से उपलब्ध कराए गए निर्वाचन व्यय पंजी की जांच व्यय प्रेक्षक द्वारा की गई। उन्होंने दैनिक निर्वाचन व्यय लेखा का गहन एवं सम्यक जांच कर छायाप्रेक्षण पंजी से मिलान किया। मौके पर व्यय प्रेक्षक आर.ए. ध्यानी एवं कुमार आदित्य, सहायक व्यय प्रेक्षक समेत प्रत्याशी एवं उनके एजेंट मौजूद रहें।

कुडमाली भाखि नेगाचारी इकाई की बैठक संपन्न

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (धनबाद): तोपचांची प्रखंड के महतो मार्केट में कुडमाली भाखि नेगाचारी इकाई की ओर से सोमवार को एक बैठक प्रखंड संयोजक बिनोद बिहारी महतो की अध्यक्षता में हुई। बैठक में रामाकुंडा, चितरपुर मदैयडीह, तोपचांची एवं दुमदुमी समेत अन्य और पंचायत से कुडमि समाज के प्रबुद्ध व गणमान्य लोगों ने शिरकत किया। मौके पर हरेंद्र महतो उप मुखिया ने कहा कि कुडमि समाज आजादी के बाद से अपने संवैधानिक हक अधिकार के लिए संघर्षरत है। समाज के अगवा नेतृत्वकर्ताओं के द्वारा "रेल टेका, डहर छैका"आंदोलन किया गया.इस आंदोलन में 11 लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ अभी विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों के रूप में नेतृत्वकारी नेत्री बणी देवी के पक्ष में मतदान करने की अपील की गई।वहीं विनोद बिहारी महतो ने कहा कि जो कुडमि हित की बात करेगा, वही झारखंड में राज करेगा।बैठक में सदानंद महतो, दूधनाथ महतो, मंगल महतो, केशव महतो, सोहराय महतो, सुदन महतो, नकुल महतो, रामप्रसाद महतो समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पूर्णिमा नीरज सिंह ने एथलीट खिलाड़ियों से बातचीत कर उनके खेल-कूद की गतिविधि जानी

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (धनबाद): झरिया विधायक सह महागठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी पूर्णिमा नीरज सिंह जियालगोड़ा स्थित जवाहरलाल नेहरू बीसीसीएल ग्राउंड में एथलीट खिलाड़ियों से बातचीत कर उनके खेल-कूद की गतिविधि जानी।

बता दें कि विधायक जी हमेशा से खेलकूद और सांस्कृतिक कलाओं को प्रेरित करती रहीं हैं। हाल में ही झरिया के सभी स्कूलों में 'नीरज सिंह स्कूल महोत्सव' का आयोजन किया गया जिसमें करीब 90 स्कूलों के 8500 बच्चों ने भाग लिया था।

विधायक ने बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद जारी रखने की अपील की और किसी तरह की बाधा आने पर तुरंत मिलने को कहा। साथ ही एक किशोरों बिट्टू यादव से बातचीत कर उसकी समस्याओं को जाना और हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया।

मौके पर समीर कुमार, रवि कुमार, रणवीर कुमार, रवि कुमार, सन्नी कुमार, राजू कुमार, रूबी कुमारी, अविनाश कुमार, मुकेश कुमार, विजय कुमार, रौशन कुमार, राकेश कुमार, विराट कुमार राय, आशीष कुमार और अभिषेक कुमार समेत कई एथलीट मौजूद थे।

नेताओं के बिगड़े बोल पर निशाने पर ही क्यों होती है महिलाये?

कोलफीड मिरर 05 नवम्बर 2024: एक ओर तो महिलाओं को राजनीति में आगे बढ़ाने और अधिक से अधिक मौका देने की बात राजनीतिक दलों के बड़े-बड़े नेताओं की ओर से की जाती है और दूसरी ओर ऐसे बयान भी सामने आते हैं जिससे नेताओं के बोलों से आम जनता को शर्म आने लगाती है. क्योकि नेताओं के विवादित और फूहड़ बोल हमेशा सुर्खियां बटोरते हैं पर बाद में उन्हें शर्मिंदगी भी उठानी पड़ती है और कुछ को कानून का सामना भी करना पड़ता है। आमतौर पर इन नेताओं के निशाने पर महिलाएं होती हैं, फिर चाहे वह महिला राजनीति से जुड़ी हो या नहीं। उनके लिए महिलाएं आसान निशाना होती हैं, क्योंकि इनके रंग, रूप, कद-काठी, मोटापे या बालों को लेकर वे बड़ी आसानी से कुछ भी बोलकर निकल जाते हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव शायद 2024 का देश में वर्ष का आखरी चुनाव हो लेकिन हर साल की तरह इस साल भी महिलाओं के खिलाफ फूहड़ बयान सुनने को मिलते रहे, जिससे यह तो स्पष्ट हो गया कि आखिर राजनेताओं का एक बड़ा समूह महिला आरक्षण विधेयक का विरोधी क्यों रहा था।

हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा छोड़कर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट में शामिल होने के बाद शिव सेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने शाइना एनसी को आयातित माल कहकर विवाद खड़ा कर दिया। उद्धव गुट के नेता अरविंद सावंत ने कहा था कि वह (शाइना एनसी) अब तक भाजपा के साथ थीं। जब उन्हें वहां (टिकट) नहीं मिला तो वह दूसरी पार्टी में चली गईं। आयातित सामान यहां स्वीकार नहीं किया जाता है। यहां मूल सामान स्वीकार किया जाता है। सावंत ने मीडिया से कहा कि हमारा सामान असली है।अब उन्हें कानून का सामना करना पड़ रहा है।

सांसद अरविंद सावंत पहले नेता नहीं है जिन्होंने महिलाओं पर भद्दी टिप्पणी करदी हो भारतीय राजनीति में छोटे-बड़े ऐसे कई नेता हुए हैं या हैं जिनकी जुबान का निशाना महिलाएं बनी हैं और फिर बवाल मचता रहता है। आपको ऐसे ही अब तक कुछ दूसरे नेताओं की जुबान से निकले महिलाओं पर नेताओं के बिगड़े कुछ बोल वचन के बारे में बताते है ।ये बोल किसी एक पार्टी के नेता के नहीं है लगभग सभी पार्टियों के नेताओं की जबान महिलाओं के मामले में फिसलती रहती है।

साल 2010 की बात है जब महिला आरक्षण बिल राज्यसभा में पारित होने के लिए पेश किया गया तो मुलायम सिंह ने कहा कि महिला आरक्षण बिल का मौजूदा स्वरूप नौजवानों को संसद में सीटी बजाने के लिए उकसाएगा। साल 2014 में उनके दिए एक बयान की काफी आलोचना हुई। बदायूं में दो बहनों के साथ गैंगरेप मामले पर मुरादाबाद में उन्होंने कहा कि लड़कियां पहले दोस्ती करती हैं इसके बाद लड़का-लड़की के बीच जब मतभेद हो जाता है तो इसे रेप का नाम दे देती हैं। लड़कों से गलती हो जाती है। वहीं इसी लोकसभा चुनाव में बीजेपी नेता दिलीप घोष ने कहा था कि दीदी गोवा जाती हैं और कहती हैं, 'मैं गोवा की बेटी हूं', फिर त्रिपुरा जाती हैं और कहती हैं, 'मैं त्रिपुरा की बेटी हूं। तय करें कि आपका पिता कौन है। सिर्फ किसी की बेटी बनना अच्छा नहीं है।

साल 2012 की बात है तब कांग्रेस में रहे संजय निरुपम ने बीजेपी नेता स्मृति ईरानी पर टीवी डिबेट के दौरान निजी हमले करने शुरू कर दिए। उन्होंने कहा, 'स्मृति आप मुझे मेरा अतीत याद दिला रही हैं, लेकिन आप क्या थीं? आप तो पैसों के लिए टीवी पर ठुमके लगाती थीं और आज राजनीतिक विश्लेषक बन गईं। यह बात भी साल 2012 की है जब तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे और कांग्रेस सांसद अभिजीत मुखर्जी ने एक ऐसा बयान दिया जिस पर हंगामा मच गया। निर्भया गैंगरेप के बाद पूरा देश गुस्से से उबल रहा था और अभिजीत यह कह बैठे की ये तो फैशनेबल रंगी पुती महिलाओं को प्रदर्शन है। हंगामा बढ़ा तो उन्होंने माफी मांग ली थी।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने भी महिलाओं पर कई बार विवादित बयान दिए है। एक पार्टी कार्यक्रम में उन्होंने जयंती नटराजन को 'टंच माल' कह दिया था। दिग्गी ने एक बार राखी सावंत पर टिप्पणी करते हुए कहा था अरविंद केजरीवाल और राखी सावंत जितना एक्सपोज करने का वादा करते हैं उतना करते नहीं हैं। उनके इस बयान पर राखी ने उन्हें 'सठिया गए हैं' कहकर झिड़का था।

शरद यादव महिलाओं पर कई बार अभद्र टिप्पणी कर चुके हैं। जेडीयू नेता शरद यादव ने बयान दिया था कि बेटियों की इज्जत से वोट की इज्जत बड़ी है, जिसके बाद सभी तरफ से इसका बयान का खंडन किया गया। शरद यादव ने साउथ की महिलाओं को लेकर कहा था, 'साउथ की महिला जितनी ज्यादा खूबसूरत होती है, जितना ज्यादा उसकी बॉडी।वह पूरा देखने में काफी सुंदर लगती है। वह नृत्य जानती है।' महिला आरक्षण विधेयक जब पहली बार संसद में रखा गया था तब उन्होंने कहा था कि, इस विधेयक के जरिए क्या आप 'परकटी महिलाओं' को सदन में लाना चाहते हैं। उसके अलावा शरद यादव ने राजस्थान के अलवर में चुनाव प्रचार के दौरान वसुंधरा राजे को लेकर विवादित टिप्पणी कर दी थी। उन्होंने कह दिया था कि राजे बहुत मोटी हो गई हैं और उन्हें आराम की जरूरत है। पहले पतली थी। इसी तरह महिला आरक्षण पर परकटी महिलाएं यानी छोटे बाल वाली महिलाओं को लेकर उनका बयान काफी सुर्खियों में रहा था। महिला आरक्षण का उस वक्त संसद में विरोध करते हुए शरद ने कह दिया था कि इस विधेयक के जरिए क्या आप परकटी महिलाओं की सदन में एंट्री कराना चाहते हैं।

भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था, महिलाओं को ऐसा श्रृंगार करना चाहिए, जिससे श्रद्धा पैदा हो, न कि उत्तेजना। कभी कभी महिलाएं ऐसा श्रृंगार करती हैं, जिससे उत्तेजित हो जाते हैं लोग। बेहतर हैं कि महिलाएं लक्ष्मण रेखा में रहें। होली मिलन के एक कार्यक्रम में भाजपा नेता ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर को 'महिलाओं का शौकीन' बताया था।

छत्तीसगढ़ के कोरबा से भाजपा सांसद बंसीलाल महतो ने राज्य की लड़कियों के लिए ऐसे शब्द का इस्तेमाल किया था, जिसे लेकर उनकी काफी आलोचना हुई थी। महतो ने छत्तीसगढ़ के खेल मंत्री भैयालाल राजवाड़े का नाम लेते हुए कहा था कि वो अक्सर बोला करते हैं कि अब बालाओं की जरूरत मुंबई और कलकत्ता से नहीं है, कोरबा की टूरी और छत्तीसगढ़ की लड़कियां टनाटन हो गई हैं।

समाज में बढ़ती बलात्कार की घटनाओं पर पूछे गए सवाल पर हरियाणा की एक खाप पंचायत के नेता जितेंद्र छत्तर ने कहा था, "मेरे ख़्याल से फास्ट फूड खाने से बलात्कार की घटनाएं बढ़ती हैं। चाऊमीन खाने से शरीर के हार्मोन में असंतुलन पैदा होता है। इसी वजह से इस तरह के कार्य करने का मन करता है।"

राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यन स्वामी ने एक बार प्रियंका गांधी के लिए कहा था, 'वह बनारस से चुनाव हार जाएंगी क्योंकि बहुत शराब पीती हैं।' नेहरू और लेडी माउंटबेटन के संबंधों पर भी स्वामी विवादित टिप्पणी कर चुके हैं।

श्रीप्रकाश जायसवाल भाजपा नेता ने एक बार बयान दिया था कि, नई शादी का मजा ही कुछ और होता है और ये तो सब जानते हैं कि पुरानी बीवी में वो मजा नहीं रहता।

गोवा के मुख्यमंत्री और भारत के पूर्व रक्षा स्व. मंत्री मनोहर पर्रिकर ने लड़कियों के शराब पीने पर चिंता जाहिर करते हुए कहा था- 'मैं डरने लगा हूं क्योंकि अब तो लड़कियां भी शराब पीने लगी हैं। सहने की क्षमता खत्म हो रही है।

बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तो हद कर दी थी। सदन में बजट के दौरान विपक्षी विधायकों के हाय-हाय करने पर नीतीश कुमार भी कहने लगे, आप सब हाय हाय हैं, हाय हाय... हाय हाय! गुस्से में लाल नीतीश कुमार आरजेडी विधायक रेखा देवी पर बिफर पड़े. कहने लगे, 'अरे तुम महिला हो... कुछ जानती नहीं हो... कहां से आते हैं, इन लोगों ने कुछ किया है? 2005 के बाद महिला को हमने ही आगे बढ़ाया है... चुपचाप बात सुनो, अभी हम बोल रहे हैं।

बिलकुल बिहार विधानसभा जैसा तो नहीं, लेकिन राज्यसभा में भी मिलता जुलता ही वाकया देखने को मिला. बजट पर संसद के दोनों सदनों में चल रही चर्चा के दौरान राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इस बार के बजट में केवल दो राज्यों को ही सरकार ने दिया है, बाकी किसी को कुछ नहीं मिला है. बीच में ही सभापति जगदीप धनखड़ ने बोला कि वित्त मंत्री आपके सवाल का जवाब देंगी. सभापति की बात पर मल्लिकार्जुन खरगे बोल पड़े, 'मैं बोल लेता हूं... क्योंकि वो तो बोलने में एक्सपर्ट हैं... माताजी बोलने में तो एक्सपर्ट हैं... वो तो बोल ही देंगी.'वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बारे में मल्लिकार्जुन खरगे को बीच में ही टोककर सभापति जगदीप धनखड़ ने बता दिया, वो तो आपकी बेटी के बराबर हैं. मल्लिकार्जुन खरगे 82 साल के हो रहे थे, जबकि निर्मला सीतारमण तब 64 साल की थी।

इसके पूर्व जब वे जब वे लालू की पार्टी के संग थे तब संपन्न जाति आधारित सर्वे के आंकड़े आज विधानसभा में पेश करते समय विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पापुलेशन कंट्रोल पर बात रखते समय कुछ ऐसा कह गए थे जिससे विवाद खड़ा हो गया था । दरअसल, जनसंख्या नियंत्रण और महिलाओं की पढ़ाई को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश सदन में कुछ बोल रहे थे। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कुछ ऐसा कह दिया जिस पर विधानसभा के अंदर भी विधायक सुनकर असहज हो गए। उन्होंने कहा कि बिहार में महिलाओं के साक्षरता बढ़ी है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि अगर लड़कियां पढ़ी-लिखी रहेंगी तो जनसंख्या खुद पर खुद नियंत्रित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि शादी के बाद तो पुरुष रात में रोज करता ही है ना। उसी में और बच्चा पैदा हो जाता है। इसके साथ ही उन्होंने जो कहा उसको लेकर विवाद और बढ़ गया । नीतीश ने कहा कि लड़की अगर पढ़ लिख लेगी तो उसको भीतर मत.... उसको डालो। इसी में संख्या घट रही है। हालांकि, नीतीश कुमार के इस अजीबोगरीब बयान पर कुछ महिला विधायक नाराज दिखीं तो वहीं कुछ विधायक हंस भी रहे थे।

अशोक भाटिया
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार, लेखक 5 दशक से लेखन कार्य से जुड़े हुए हैं, पत्रकारिता में वसई गौरव अवार्ड से सम्मानित वसई पूर्व (मुंबई)

पर्यावरण चिंतन

पर्यावरण तथा वायु प्रदूषण से होता बुरा हाल, शहरी नागरिक फेफड़ों की तकलीफ से हलाकान

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर 2024: दीपावली की शुभकामनाएं। दीपावली के बाद बड़े मेट्रोपॉलिटन शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, अहमदाबाद, हैदराबाद जैसे शहरों में पर्यावरण तथा वायु प्रदूषण का स्तर काफी ऊंचा हो गया है। मेरा कतई यह आशय नहीं है कि हमें दीपावली नहीं माननी चाहिए जरूर माननी चाहिए, जोर जोर से मनानी चाहिए एवं संपूर्ण धार्मिकता तथा आस्था के साथ बनाना चाहिए। दीपावली मुख्यतः दीपों और रोशनी का का पवित्र त्यौहार है पर उसके दूसरे पहलू में अंधाधुंध पटाखे और बम फोड़ने से होते प्रदूषण पर भी हमें ध्यान रखना होगा एवं इसके उपचार के लिए सदैव प्रयासरत भी होना होगा। दिल्ली वैसे भी देश और दुनिया का सर्वाधिक प्रदूषित शहर माना जाता है इसके बाद कोलकाता तथा मुंबई का नंबर भी आता है पटना शहर की जनसंख्या एवं घरों की बसाहट अधिक होने से वाहन प्रदूषण की स्थिति अत्यंत कमजोर है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। पर्यावरण संतुलन से आर्थिक, सामाजिक विकास की अवधारणा की भारत जैसे विकासशील देश को नितांत आवश्यकता है। जहां देश के वार्षिक बजट का बड़ा हिस्सा पर्यावरण प्रदूषण को दूर करने एवं पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने हेतु खर्च किया जाता है।

अपने देश में दिल्ली सर्वाधिक प्रदूषित शहर है। इसके बाद अनेक राज्यों की राजधानियां भी प्रदूषण में एक दूसरे को टक्कर दे रही हैं। दिल्ली मे तो प्रदूषण बेचारा केंद्र और राज्य की राजनीति का शिकार हो गया है ,दिल्ली प्रशासन और केंद्र शासन एक दूसरे पर पर्यावरण तथा यमुना नदी के प्रदूषण पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं पर प्रदूषण कम करने के उपाय ऊपर हाथ में हाथ धरे बैठे हैं। अमूमन यही स्थिति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी है।

वर्तमान में वृहद चिंतन की आवश्यकता है कि पर्यावरण संतुलन से आर्थिक, सामाजिक विकास की अवधारणा है कैसे जन्म लेंगी? उसमें गहन चिंतन विभिन्न मानव प्रजातियों के आर्थिक तथा पर्यावरण संतुलन को लेकर भी है। इस विषय पर एक खुली बहस की आवश्यकता है। खुली बहस इसलिए भी कि मनुष्य के जीवन के लिए जितना आवश्यक पर्यावरण संतुलन है उतना ही आवश्यक उसका आर्थिक विकास भी है। अब ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरे को देखकर पर्यावरण संतुलन को आर्थिक विकास के साथ जोड़ा जाना अत्यंत महत्वपूर्ण एवं मानवीय जीवन की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। बढ़ते असमान आर्थिक विकास तथा उपभोक्तावादी प्रकृति ने जहां सामाजिक विभेद की दरार को चौड़ा कर दिया है वही विश्व स्तर पर विस्तारवाद तथा उपनिवेशवाद को बढ़ावा भी मिला है। राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भेदभाव के इस बड़े स्तर को आर्थिक विकास तथा पर्यावरण संतुलन को प्राथमिकता देना नदी के दो अलग किनारों को जोड़ने जैसा ही है।

विकास की दौड़ में जहां मनुष्य जीवन के इस व्यस्तता में थककर वापस प्रकृति की ओर उन्मुख होना चाहता है। शहरी मनुष्य प्रकृति की शीतलता, हरियाली और खुली स्वच्छंद हवा में सांस लेने के लिए उत्सुक है और कल्पना करता है कि गांव में जीवन कितना सुमधुर और स्वच्छंद आनंदमई है, इसकी दूसरी तरफ ग्रामीण जंगली इलाकों के रहने वाले लोग कल्पना करते हैं कि शहर में कितनी सुविधाएं हैं जो जीवन जीने को एकदम सरल एवं आसान बनाती है। यह द्विपक्षीय लालसा शहर में रहने वाले और ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों के बीच बराबर की है, हमें इनके आपसी संतुलन को बनाए रखना और आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संतुलन को भी बढ़ते सोपान के साथ बढ़ावा देना है। यूरोपीय देशों में कई देशों ने इसके उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जहां आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। इसके लिए हमें उपभोक्तावादी संस्कृति को नियंत्रित कर नागरिकों को पर्यावरण के संतुलन के प्रति जागरूक करना होगा। टेक्नोलॉजी के स्तर पर पर्यावरण अनुकूल साधनों का ऊर्जा स्रोत ग्रीन तकनीक, हरित भवन, कार्बन न्यूट्रल वाहनों की तरफ उनके नियंत्रण पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता होगी। वहीं दूसरी तरफ आदिवासियों पर ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को आधुनिक विज्ञान से देसी ज्ञान के साथ शिक्षित भी करने की आवश्यकता होगी।

पर्यावरण किसी भी परियोजना को स्थापित करने के पूर्व पर्यावरण आकलन करने की आवश्यकता है ही इसके साथ ही समाज में पड़ने वाले प्रभाव को देखने के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन को भी मूर्त रूप देना होगा। इस संतुलन को बनाने हेतु भविष्य की नीति बनाने की आवश्यकता होगी साथ ही हमको यह भी समझना होगा कि पर्वतों को मिटाने से नदियों को बांधने व जंगलों को काटने से विकास संभव नहीं है। पर्यावरण संतुलन और विकास को केवल आर्थिक विकास की श्रेणी में न रखकर समग्र रूप से सामाजिक, पर्यावरणीय संस्कृति के नैतिक रूप से समझने की आवश्यकता होगी। इस पर्यावरण तथा आर्थिक संतुलन को बनाए रखने के लिए हमें सर्वहारा वर्ग के हर व्यक्ति के लिए जीत सुनिश्चित करनी होगी जिसमें किसी को नुकसान ना हो एवं आम व्यक्ति पीछे ना रह जाए। यह अवधारणा यदि किसी भी समाज देश में व्याप्त होगी तभी आर्थिक विकास का पर्यावरण के साथ संतुलन स्थापित हो सकता है।

इस संदर्भ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी कहा है "प्रकृति हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए है व्यक्ति की लालच को पूरा करने के लिए नहीं" निर्दोष, निर्मल प्रकृति के दोहन के साथ ही मनुष्य के समाज ने अत्यधिक शोषण किया है।

प्रकृति के विनाश के साथ आर्थिक विकास लंबे समय तक नहीं चल सकता है। यह बात जितने जल्दी मनुष्य को, देश और पूरे विश्व समुदाय को जितनी जल्दी समझ में आ जाए उतना ही आर्थिक तथा पर्यावरण के संतुलन के विकास के लिए शुभ संकेत होंगे। आर्थिक विकास के वर्तमान संदर्भ को देखें तो यह बात बड़ी विचित्र किंतु सत्य प्रतीत होती है कि जब एक समुदाय को कुर्बान करने के लिए दूसरे समुदाय को लाभ पहुंचाया जाता है आर्थिक विकास के लिए योजनाएं कहीं बनती हैं, विस्थापित लोग कहीं और होते हैं और बिजली और अन्य सुविधाएं किसी अन्य जगह से आती है, जिसके परिणाम स्वरूप आर्थिक और पर्यावरण के संतुलन में अनेक विसंगतियां जन्म लेती हैं, और इससे सामाजिक आर्थिक संतुलन भी बिगड़ने की संभावना बलवती होती है। मनुष्य की स्पृहा, कामना और लालच के सामने प्रकृति भी निरुत्तर होती दिखाई दे रही है। प्रकृति के समर्पण में जो विसंगतियां और दुष्प्रभाव हमारे सामने आ रहे हैं उनमें जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, बढ़ते ओजोन छिद्र ,बढ़ता जलवायु परिवर्तन, पिघलते ग्लेशियर तथा बढ़ता समुद्री जल हम सबके लिए नई समस्याओं को जन्म देने का काम कर रहे हैं। आपको ऐसा नहीं लगता कि हमारे प्रकृति विरोधी कर्मों से हमारे जीवन का अस्तित्व ही खतरे में आने लगा है। इसी तरह के अनेक आसन में खतरों से निपटने के लिए आर्थिक विकास के नए मॉडलों को पर्यावरण के संतुलन के साथ जोड़ने का विकल्प हम सबके लिए एक जीवन उपयोगी मार्ग बनता नजर आ रहा है। प्रकृति के असंतुलन दोहन का सर्वोत्तम उदाहरण यूरोप के विकसित देश है जिनकी पर्यावरण असंतुलन के प्रति उदासीनता की भयावह कीमत विकासशील तथा समुद्री क्षेत्रों में सीमावर्ती तथा अल्प विकसित देशों को चुकानी पड़ रही है।

हमें वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास को पर्यावरण संतुलन बनाने की दिशा में सामूहिक रूप से कारगर उपाय खोज कर संपूर्ण विश्व को ग्लोबल वार्मिंग और इसके गहरे परिणामों से सुरक्षित रखना होगा, विशेषकर उन अल्प विकसित एवं विकासशील राष्ट्रों को जिनकी जनसंख्या अग्रणी देशों में गिनी जाती है. पर्यावरण संतुलन तथा आर्थिक विकास के ढांचे को विकसित करने के लिए पर्याप्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध नहीं है।

संजीव ठाकुर
(वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक)
स्तंभकार, चिंतक
रायपुर छत्तीसगढ़

भारत चीन सीमा विवाद: क्या भरोसा करने लायक है चीन?

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर 2024: भारत चीन के बीच सीमा पर पैट्रोलिंग को लेकर जो समझौता हुआ है वह सिर्फ एक तत्कालिक उपचार है इस को बड़ी उपलब्धि बतौर प्रचार करना धोखा होगा। बेशक अब उम्मीद जताई जा रही है किभारत और चीन के बीच अब पर गलवान जैसा टकराव अब नहीं होगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ब्रिक्स समिट में जाने से पहले इस बड़ा कदम बताया जा रहा है। भारत और चीन के बीच एलएसी पर पेट्रोलिंग के लिए सहमति होने से दोनों देशों के बीच सीमा विवाद सुलझ सकता है और टकराव में भी कमी आ सकती है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारतीय और चीनी सैनिक मई 2020 में सीमा पर गतिरोध शुरू होने से पहले की तरह गश्त फिर से शुरू कर सकेंगे। इससे पहले आज, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने घोषणा की कि भारत और चीन हिमालय में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त व्यवस्था पर पहुंच गए हैं और इससे सैनिकों की वापसी और तनाव का समाधान हो सकता है। लेकिन सवाल फिर मौजूद है कि क्या भारत चीन की सहमति पर विश्वास कर सकता है? क्या चीन की पिछली हरकतें भरोसा करने लायक आधार देती है? शायद नहीं यही वजह है कि भारत को इस समझौते के बाबजूद पल पल जागरूक रहना होगा। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की ब्रिक्स समिट में शिरकत से पहले भारत और चीन के बीच लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर भारत और चीन के बीच सीमा विवाद सुलझाने पर समहति एक बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है, क्योंकि पिछले करीब साढ़े चार सालों से पूर्वी लद्दाख में सीमा पर दोनों देशों के बीच तनाव का माहौल बना हुआ था। दोनों देशों के बीच सीमा पर शांति और यथास्थिति बनाए रखने को लेकर इन सालों में कई दौर की सैन्य अधिकारियों की बैठकें हो चुकी है, लेकिन चीन के अड़ियल और धूर्ततापूर्ण रवैये के कारण बात नहीं बन पा रही थी।। मगर अच्छी बात है कि पूर्वी लद्दाख में 52 महीनों से चल रहा सीमा तनाव सुलझ गया है। दोनों देशों के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर चली कवायद के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त और सैन्य तनाव घटाने पर सहमति बन गई है। विदेश सचिव विक्रम मिली के अनुसार दी गई जानकारी के अनुसार दोनों ही देश 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हुई घटनाओं के बाद से सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर लगातार संपर्क में थे। डब्ल्यूएमसीसी और सैन्य कमांडर स्तर पर दोनों देशों के बीच कई दौर की बातचीत हुई है। आखिरकार वार्ता की इन कवायदों के कारण कई मोचों पर टकराव और तनाव मिटाने में कामयाबी मिली है। हालांकि अभी भी असहमति के कुछ बिंदु बाकी हैं। देखा जाए तो चीन से सीमा विवाद पर यह सहमति पीएम मोदी की ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रूस के शहर कजान के दौरे से एक दिन पहले आई है। इससे यह उम्मीद थोड़ी पक्की होती दिख रही है कि रूस के कजान शहर में मोदी जिनपिंग की मुलाकात सम्मेलन के इतर भी हो सकती है। इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं कि एलएसी पर गश्त को लेकर समझौते पर पहुंचना एक बड़ी कामयाबी है क्योंकि भारत और चीन के बीच 2020 से शुरू हुआ सीमा विवाद बेहद भयंकर रूप ले चुका है। ताजा समौझते से इससे सीमा पर तैनात सेनाओं की वापसी हो सकती है और तनाव कम हो सकता है। इस समझौते को क्षेत्र में शांति बहाली की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे दोनों देशों के बीच रिश्तों में जारी खटास कम हुई है, इसलिए मोदी और जिनपिंग के बीच मुलाकात की संभावना बनती दिख रही है। हालांकि बैठक को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि दोनों नेता नई व्यवस्था और सीमा विवाद को सुलझाने के अन्य राजनयिक प्रयासों पर चर्चा कर सकते हैं। भारत-चीन सीमा विवाद मई 2020 में चरम पर पहुंच गया था, जब एलएसी पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़पें हुई थीं। जून 2020 में गलवान घाटी में सबसे गंभीर टकराव हुआ था। इस झड़प में 20 भारतीय सैनिक और 40 से अधिक चीनी सैनिक मारे गए थे या गंभीर रूप से घायल हो गए थे। लद्दाख के पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में हुई यह घटना, दशकों में दो परमाणु हथियारों से लैस देशों के बीच सबसे गंभीर सैन्य टकराव थी। तब से, दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। हालांकि, चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने अपने सैनिकों के बारे में कभी आधिकारिक आंकड़े नहीं जारी किए। गलवान झड़प ने दोनों देशों को एक बड़े सैन्य संघर्ष के कगार पर धकेल दिया था। गतिरोध ने न केवल उनके राजनयिक संबंधों को बल्कि आर्थिक संबंधों को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इसके बाद से भारत ने चीनी निवेशों की जांच कड़ी कर दी है और चीनी फर्मों से जुड़ी कई बड़ी परियोजनाओं को रोक दिया है। दूसरी तरफ चीन के तरफ से भी अरुणाचल को लेकर हमेशा विवादास्पद बयान दिए जाते हैं। इसके साथ ही सीमा पर गांव बसाने लेकर तमाम ऐसी गतिविधियां चीन के तरफ से की गई है, जिसके कारण दोनों देशों के रिश्तो में खटास आयी है। इस सीमा संघर्ष ने राजनयिक संबंधों को बुरी तरह प्रभावित किया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर समझौतों का उम्बंधन करने और स्थिति को भड़काने का आरोप लगाया। दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को भी झटका लगा। भारत ने चीन पर अपनी आर्थिक निर्भरता को कम करने के लिए कदम उठाए। संघर्ष के बाद चीनी निवेश पर जांच कड़ी कर दी गई और कई चीनी मोबाइल ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया गया। हालांकि बीच-बीच में दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच बैठकों का सिलसिल चलता रहा और कई मुद्दों पर सहमति भी बनी, लेकिन सीमा पर तनाव कायम था, क्योंकि दोनों ही देशों के सैनिक पूर्वी लद्दाख में तैनात थे। ऐसे में एलएसी पर शांति और सामान्य स्थिति की बहाली को व्यापक द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए एक शर्त के रूप में देखा जाता है। भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र की रिपोर्टों के अनुसार, दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए हैं कि संबंधों को सामान्य करने के लिए एलएसी का सम्मान और शांति की बहाली जरूरी है। तथ्य यह है कि दोनों देशों ने धीमी प्रगति के बावजूद राजनयिक संवाद जारी रखा है, यह एक सकारात्मक संकेत है कि दोनों सीमा विवाद का दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें अच्छी बात हो हो नहीं सकती है कि भारत और चीन के बीच सीमा पर शांति कायम रहे, क्योंकि पड़ोसी कभी भी बदले नहीं जा सकते हैं। हालांकि भारत और चीन के बीच जब भी रिश्ते खराब हुए हैं, तो इसका कारण चीन की विस्तारवादी और धूर्ततापूर्ण रवैया रहा है। पाकिस्तान से मिलकर वह हमेशा ही भारत के विरोध में साजिश रचने की कोशिश करता है। इसलिए ताजा समझौता एक सकारात्मक कदम तो है, लेकिन इसे जमीन पर लागू करने में काफी सावधानी बरतनी होगी। यह सुनिश्चित करने में दोनों पक्षों के सैन्य कमांडर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे कि वापसी सुचारू रूप से हो और तनाव फिर से न भड़के। अगर सही मायने में चीन को भारत के साथ रिश्तों में सुधार लाना है, तो उसको अपनी कुटिलतापूर्ण नीति में परिवर्तन लाना होगा। केवल दिखावे के लिए अथवा कूटनीतिक स्तर पर समन्वय का आदर्श पेश करने के बजाय जब तक वह व्यावहारिक धरातल पर भारत के मामले में विस्तारवादी नीतियों का त्याग नहीं करेगा, इसके सकारात्मक नतीजे निकलने मुश्किल बने रहेंगे। जरूरत है कि इसके लिए चीन अपनी विस्तारवादी नीति में परिवर्तन लाए। लेकन इन सबके बावजूद एलएसी पर समझौते से दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार की एक राह जरूर खुली है। देखना है कि चीन अपनी वचन बद्धता पर कितना खरा उतरता है?

मनोज कुमार अग्रवाल

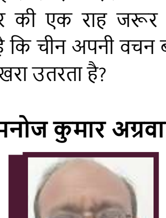

बेरोज़गारी का अस्पताल

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर 2024: भले ही आप शरीर से हट्टे-कट्टे, लम्बें-चौड़े, सुन्दर व उर्जावान रहो। पर आप अपने आप को तब तक पूरी तरह से स्वस्थ महसूस नहीं करेंगे जब तक आपके पास रोजगार का कोई जरिया न हो। यदि आपके पास कोई रोजगार नहीं होगा तो आज के इस जमाने में आपको लोग ताने मार-मारकर ही बीमार कर डालेंगे। इस बीमारी का रोगी भी आप हैं और डॉक्टर भी आप ही हैं। क्योंकि इस रोग का इलाज आपको ही ढुंढना पड़ेगा आपको इस बीमारी का इलाज बतानेवाला कोई भी नहीं मिलेगा। यदि किसी को भी बेरोजगारी के इस रोग का दवाई मिल भी जाता है, तो पर भी वह आपको नहीं बतायेगा। क्योंकि इस दुनिया में बेरोजगारी के रोग से हर कोई ग्रसित है, वह सबसे पहले 'रोजगार' नामक गोली को खाकर खुद का इलाज पहले करेगा। वैसे भी ये 'रोजगार' नामक गोली किसी बंद पुड़िया या थोक में नहीं मिलती है जिसमें से कुछ गोली खाकर आपको बाकी के बचे गोली को दिया जा सके।

बेरोजगारी एक ऐसी बीमारी है जिसका कभी भी शत् प्रतिशत इलाज संभव नहीं है। यहाँ तक की जिस व्यक्ति का उपचार हो जाता है। जिसको भी बेऱोजगारी से राहत मिल जाती है, वह उतना ही ज्यादा और बीमार पड़ जाता है। क्योंकि जिसको भी बेरोजगारी के बीमारी से निजात मिलती है। वो कभी भी संतुष्ट नहीं रहता है, उसका भूख समय के साथ अचानक से बड़ जाता है। उसको 'रोजगार' नामक गोली का स्वाद 'कड़वा' लगता है। इसलिए वो 'मिठास' बढ़ाने के लिए 'रोजगार के गोली' के बजाय 'रोजगार का टॉनिक' पीने की इच्छा रखता है। जिसके लिए वह तरक्की करके ऊँचा पद प्राप्त करना चाहता है। इस बेरोजगारी के रोग से ग्रसित व्यक्ति अपने इलाज के पहले ही ये सोचकर रखता है। कि यदि मुझे पहली बार में 'रोजगार की गोली' खाने के लिए मिलेगा तो मैं 'रोजगार का टॉनिक' पीऊंगा और यदि मुझे 'रोजगार का टॉनिक' मिलता है तो मैं 'रोजगार का इंजेक्शन' लगवाऊंगा। इस तरह बेरोजगार आदमी को रोजगार मिला ही नहीं रहता और वह रोजगार मिलने पर तरक्की करके क्या-क्या बनेगा उसको पहले ही सोच लेता है। इसी सोच के कारण बेरोजगारी की बीमारी से निजात मिलने के बाद भी आदमी हमेशा बीमार ही रहता है। अपने-आप को कभी भी संतुष्ट महसूस नहीं करता है तथा खुश रहने के बजाय तरह-तरह के कमी निकालकर दुःख को निमंत्रण देता रहता है।

इस बेरोजगारी जैसे खतरनाक बीमारी के इलाज हेतु देश में बहुत सारे अस्पताल खुलें हुए हैं। इन अस्पतालों के द्वारा समय-समय पर वेकेंसी निकालकर मरीजों को फार्म भरवाया जाता है। लेकिन ये जरूरी नहीं है कि आप बेरोजगारी के अस्पताल में चले जायें और आपका इलाज सफलतापूर्वक हो जाय। बेरोज़गारी के अस्पताल में आपको सिर्फ आपरेशन करने का जगह ही दिया जाता है। आपको दिये गये समय के दौरान में ही खुद का आपरेशन करना होता है। आपरेशन की सफलता इस बात पर निर्भर करता है कि आप निर्धारित समय पर कितने प्रश्नों का उत्तर दे पाते हैं। यदि आपका भी नाम मेरिट लिस्ट के डॉक्टरों के सूची में ऊपर की ओर शामिल हो जाता है तो आपका भी निश्चित ही सफलतापूर्वक इलाज हो जाएगा।

यदि आप अपने बेरोजगारी के रोग का सही उपचार करने में असफल हो जाते हैं तो आप भूलकर भी किसी प्राइवेट अस्पताल में बिना सोचे-समझे मत जाना। वरना आपको भविष्य में बहुत ज्यादा पछताना पड़ेगा। बेरोज़गारी का इलाज ढूंढते-ढूंढते आपकी मौत भी हो सकती है। आपकी सम्पत्ति का सर्वनाश भी हो सकता है। इसलिए आप जब भी किसी प्राइवेट अस्पताल में बेरोजगारी के रोग का उपचार के लिए जाते हैं तो आप सबसे पहले उन लोगों से बातचीत करिए जो लोग उस अस्पताल में अपना इलाज करवाने के लिए पहले से जा चुके हैं। वही लोग आपको उस अस्पताल के बारे सही जानकारी दे सकेंगे। क्योंकि आजकल जो लोग अपने बेरोजगारी का इलाज नहीं कर पाते हैं, वे लोग पैसे कमाने के लिए खुद ही बेरोजगारी का अस्पताल खोल लेते हैं। लोगों को तरह-तरह के प्रलोभन देते हैं तथा उनको नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रूपये तक का ठगी करते हैं। यदि आप ऐसे ठगी करने वाले डॉक्टरों के चक्कर में पड़ेंगे तो निश्चित ही आप बर्बाद हो जायेंगे। इसलिए आप बेरोजगारी के रोग से निजात पाने के लिए कोई शार्टकट तरीका कभी भी मत अपनाना।

हमारे जीवन में बहुत सारे परिस्थितियां आती है जिसके चलते हमें बेरोजगारी एक बीमारी सा प्रतीत होने लगता है। वर्तमान युग में खास कर जब कोई लड़का शादी करने के लिए लड़की देखने जाता है, तो उसी समय लड़की वाले लड़के से सरकारी नौकरी की मांग रखते हैं। यही वो समय होता जब एक बेरोजगार आदमी को अपने बीमारीपन का अहसास होता है। पर जो लड़की ऐसी मांग रखती है, वो संसारिक और वास्तविक दोनों ज्ञान से वंचित रहती है। वो सिर्फ काल्पनिक दुनिया में ही जीती है, वह हमेशा ये सोचती कि जहाँ पैसा रहेगा वहीं पर खुशी हो सकती है। ऐसे विचारधारा के इंसान आज के जमाने में बहुत स्वार्थी होते हैं। जो बिना किसी खास मकसद के कोई काम करते ही नहीं हैं। ऐसे लोगों के बातों में आकर आपको कभी भी अपनी विचारधारा नहीं बदलनी है। यदि संभव हो सके तो आप ऐसे विचारधारा वाले लोगों को ही बदल दीजिए उसको सकारात्मक विचार का ज्ञान दीजिए।

यदि अब तक आपको अपने बेरोजगारी के रोग से निजात नहीं मिली है तो चलिए आज मैं आपको इस बीमारी का इलाज बता देता हूँ। आप ऐसे लोगों के बातों पर कभी भी मत आना जो लोग आपको सिर्फ ताना देने का काम करते हैं। जो लोग आपको समझते हैं, आपको गहराई से जानते हैं, वे लोग कभी भी आपको आपके बेरोजगार होने पर ताना नहीं देंगे। आपको आपके बेरोजगार होने पर सिर्फ वही व्यक्ति ताना दे सकता है, जो व्यक्ति आपको कम समय से ही जानता हो या जिसे सांसारिक गतिविधियों का तनिक भी ज्ञान न हो। इसलिए बेरोजगारी को कभी भी बीमारी नहीं समझना चाहिए। हमारी जितनी हैसियत है उसी में संतुष्ट रहना चाहिए क्योंकि संतुष्टि ही सबसे बड़ा धन होता है। इसका मतलब ये नहीं कि आप एकदम सा आलस हो जाय जब भी आपको मौका मिलता है ऊपर उठने का अपने जीवन में आगे बढ़ने का तो आप उस दिन निश्चित ही जरूर कोशिश करना। परन्तु एक ही चीज के पीछे हमेशा भागते रहना उचित नहीं है। जैसे कि आजकल के युवाएं सिर्फ सरकारी नौकरी पाने को ही आगे बढ़ना समझते हैं। हमेशा नौकरियों के चक्कर में पड़े रहते हैं, तो इनकी तरह एक ही चीज के पीछे कभी भी मत भागना। जीवन बहुत लम्बा है नौकरी तो जीवन का मात्र एक छोटा सा हिस्सा है। जरूरत है तो बस अपने नजरिए को बदलने की है। जब आपका सोच बदलेगा तो आप सरकारी नौकरी से बेहतर मुकाम हासिल कर सकते हैं। इस संसार में अपना नाम अमर कर सकते हैं पर नौकरी के ही पीछे भागते रहने से ऐसा भी हो सकता है, कि एक दिन आपको नौकरी भी न मिले और न ही आप अपने जीवन में कुछ कर सके। बस पूरा जीवन नौकरी के पीछे भागने में खत्म हो जाय। बेरोज़गारी के रोग का उपाय सिर्फ नौकरी पाना तक ही सीमित नहीं है।

अतः हमें अपने हालात पर खुश रहना चाहिए। क्योंकि जो व्यक्ति अपने हालात पर खुश नहीं रह सकता है। वो कभी भी जीवन के इस जंग में विजेता नहीं बन सकता।

हितेश्वर बर्मन चैतन्य
बिलाईगढ़ (छत्तीसगढ़)

विकास ऐसा भी

व्यंग्य

कोलफीड मिरर 05 नवम्बर 2024: भैया! गैस लगातार बढ़ रहा है। परेशान हूं बहुत। ऊल जुलूल चीजें खाएगा दिन रात तो गैस नहीं बढ़ेगा, पगले! चाट वाट, टिकिया, चना मसाला क्या-क्या खाता रहता है। ऐसा कर किसी गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट से मिल। अपनी समस्या बता। बस ठीक हो जाएगा।

भैया आप भी न हमारे वित्त मंत्री जैसे हो जाते हो कभी कभी। वे कहती हैं हम डीजल, पेट्रोल, एलपीजी वही ईंधन गैस की कीमतें कम नहीं कर सकते। यह तो हमसे पहले वाली सरकारों का पाप है, जो अब तक धो धोकर सत्ता की गंगा को हम मैला कर चुके हैं। कम नहीं कर सकते तो बढ़ा कैसे सकते हैं छोटू? उनका लक्ष्य है एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत दो हज़ार रुपये कर दें ताकि चिल्हर की झंझट न हो। सिलेंडर आया दो हज़ार थमा दिए। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की कीमतें भी दोहरा शतक करने का इरादा भी है। तभी तो 2016 से दो सौ की नोट का चलन भी किया जा चुका। वहां भी चिल्हर का झंझट खत्म हो जाएगा।
सभी की कीमतें बढ़ रही हैं, महंगाई आसमान छू रही है और सिर्फ एलपीजी गैस की कीमत को लेकर रो रहे हो? सारे कारोबारों में पेट्रोल, डीजल और ईंधन गैस का ही बोलबाला है। ये तीनों धुरियां है जिस पर महंगाई का बाजार चलता है। कहीं भी किसी भी कारोबार में सामान तो ट्रक और वैन से ही आएगा या तो डीजल या पेट्रोल के वाहन। हैं न। डीजल पेट्रोल की कीमतें बढ़ेंगी तो आवागमन में ज्यादा खर्चा देना ही पड़ेगा न? चीजों की कीमतें बढ़ने का यही कारण है। होटल के चीजों के दाम भी इस वजह से और बनाने में एलपीजी गैस की वजह से भी बढ़ती हैं। यही ना छोटू? बिल्कुल भाई। बहुत खूब! अब आया वापस आपका चिंतन।

वह तो ठीक है। महंगाई के बढ़ते कम चीजें खपत कर रहे हैं। लगता है अब दोनों जून का खाना एक ही वक्त बनाना होगा और खाना होगा। जून ही नहीं भैया! जुलाई से फिर मई तक सारे महीने यही सब करना होगा। अच्छे दिन तो आ ही गए। किसी से कहो कि महंगाई बढ़ गई है, ऐसा हुआ, वैसा हुआ तो क्या कहता है? वह आश्चर्यचकित होकर "अच्छा" कहता है और यही अच्छा अच्छा करते-करते अच्छे दिन आ गए ना।

छोटू! अच्छे दिन यानी जनकल्याण सर्वोपरि हो। लोग समस्याओं, महंगाई, रोगों से दूर होकर सुविधामय जिंदगी बिताएं, न कि अच्छा-अच्छा कहकर लजाएं। किसी एक या दो तबके के लोग ही नहीं, सारी जनता को समदृष्टि से सुविधाएं मिले और सहज मिले तभी आपके अच्छे दिन कहलायेंगे।

भाई आप भी एक साथ में कितना कुछ अच्छा कह गए। सभी की सोच में अच्छा-अच्छा भर दें और दो चार विषय अपने पास तैयार रखें ताकि जनता का ध्यान भटकाने में कामयाबी पा सकें तभी ना नेताओं के अच्छे दिन होंगे।

अब सही पकड़े हो! अच्छे दिन आ गए या आ रहे हैं या आएंगे यह नारा हमारे लिए नहीं, बल्कि नेताओं के लिए और वह भी सत्ताधारी नेताओं के लिए ज्यादा है।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

लबों को ही दें ज़हमत

ग़ज़ल

हम उन्हें चाहे वो भी हमें
चाहें ज़रूरी तो नहीं।
बाली है उमरज़ुबाने इश्क़
समझें ज़रूरी तो नहीं।
दिल में रहती हैं बस उनको
पाने की ख़्वाहिश।
वो भीसोचते हों ऐसा ही
ये जरूरी तो नहीं।
आँखो से पढ़ लो ये होती हैं
आइना दिल का।
लबों को ही दें ज़हमत ये
जरूरी तो नहीं।
करवटें बदलते हो सारी रात
तो क्या हुआ।
ख़्यालों से अलग तेरे रहते हैं
वो ज़रूरी तो नहीं।
ग़ज़ल उनको अपने सुना तो
रहे हो मुश्ताक़।
मतलब सभी अल्फाज़ों का
समझ लें ज़रूरी तो नहीं।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
सहज़ हरदा मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

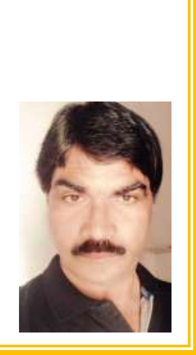

पके धान के खेत का स्वाद और सौंदर्य

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर 2024: हविष्यान्न में परिगणित धान (चावल) देवताओं के भोग-प्रसाद का अनिवार्य घटक है तो यज्ञ अनुष्ठान के ऋत्विज और होता के आहार का हिस्सा भी। यज्ञवेदी में अग्निदेव को समर्पित हवन समिधा में अक्षत, तिल और जौ का सहभागी है तो अतिथि-अभ्यागत के स्वागत सत्कार में प्रयुक्त रोली, चंदन, हल्दी का अभिन्न मीत भी। आमजन की दैनंदिन क्षुधापूर्ति का सहज साधन है तो पशु-पखेरू का प्रिय भी। धान स्नेह, सम्मान एवं आदर का प्रतीक है और सात्विक प्रेम का प्रकटीकरण भी। तभी तो बालसखा द्वारकाधीश श्रीकृष्ण को सुदामा चावल भेंट करते हैं। यह चावल अर्थात् धान सामाजिक समरसता का द्योतक है और सद्भाव की निर्मल प्रेमधारा का प्रतिबिम्ब भी। नववधु की पाक-कला का परीक्षण 'खिचड़ी रांधने' से ही होता है और रोगी का पथ्य भी खिचड़ी ही है, जिसमें चावल की प्रतिष्ठा लोक प्रशंसित है। धान वैदिक साहित्य में यव (जौ) के साथ धान्य के रूप में महिमामंडित है। वास्तव में धान लोक की श्रम साधना की पराकाष्ठा है, कृषि कर्म का कंचन किरीट है। धान रोपती औरतें दरअसल वसुधा के आर्द्र हृदय पटल में जीवन का संगीत रोपती हैं, स्वप्नों का सुखद संसार रचती हैं। वे भूख से मुक्ति का छंद लिखती हैं और घर-खलिहान की समृद्धि की पगडंडी बुनती हैं। घुटनों तक कीचड़ में धंसी औरतें नीले वितान के नीचे धान के शिशु रोपती हैं, प्रौढ़ होते ही जिनके ललाट पर काल पुरुष स्वर्णिम आभामय दानों का तिलक कर देता है। लोक के लिए धान प्राण हैं, जीवन का आधार हैं तभी तो कवि केदारनाथ सिंह कहते हैं, "धन उगेंगे कि प्रान उगेंगे/उगेंगे हमारे खेत में/ आना जी, बादल जरूर। धान परम पावन है, तभी तो विवाह मंडप में कन्या पक्ष द्वारा लावा (भुना धान) परसा जाता है और विदाई में कन्या सूप में रखे चावल अपने सिर से पीछे की ओर बिखेरती पितृ-सदन की सुख-समृद्धि की कामना करती है।

पके धान के खेतों का सौंदर्य लुभाता है, निकट बुलाता है। हरित-पीत तन पर सूर्य रश्मियां पड़ते ही मानो पूरे खेत पर आसमान से सुनहरी चादर उतर आती है। मीठे दूधियां दानों का स्वाद चखने गौरैया-तोते मंड़राने लगते हैं। धान के फूलों और कच्ची हरी बालियों का रसपान करती मधुमक्खियां सुनहरी चादर पर गुंथी लाल-भूरी मणियां प्रतीत होती हैं और भौंरों की मधुर मृदुल गुनगुनाहट संगीत का स्वर साधते साधक का मनमोहक आलाप का आभास देती है। क्षितिज पर नीला अम्बर मानो पीत वसना वसुधंरा के कपोल पर अपने प्रेम का अंकन कर रहा है। दूर-दूर तक फैले कच्चे-पके हरे-पीले धान के खेत मन मोहते हैं, पथिकों का चित्त चुराते हैं। लगता है कि मानो कृषक के स्वागत में प्रकृति ने बहुरंगी कालीन बिछा दिया हो। मेड़ों पर उगी हरी अरहर, ज्वार-बाजरा के भुट्टे, मूंग-उरद की अंगुलियों सी लम्बी-पतली फलियां प्रकृति सुंदरी की पीली साड़ी के किनारी पर टंके बेल-बूटे ही प्रतीत होते हैं तो बीच खेत में खड़े आम-महुआ के वृक्ष और उनमें बसे पक्षी वृंद साड़ी के मध्य में चित्र सा उभर आते हैं। यह लोक का अनिंद्य सौंदर्य है जिसे लख नयन तृप्त हो जाते हैं और अतृप्त भी। यह अतृप्ति नया रचने-गुनने की प्रेरणा है, स्वीकृति है।

वर्षों बाद दीपावली पर गांव जाना हुआ है। पिछले दो दिन से घर-परिवार और गांव वालों से गले मिले, सुख-दुख बांटे। अमावस की गहरी अंधेरी रात दीपों से जगमगा रही है, पटाखों की कर्कश ध्वनि से छह महीने का पालतू कुत्ता रह-रहकर मुन्नू भौंकने लगता है और एक पखवारा पहले जन्मी बछिया कान खड़े कर रंभाने लगती है। यह त्योहार का व्यवहार उनके लिए पहला अनुभव है।सियार-लोमड़ी की आवाजें आज कहीं खोई-सोई सी हैं। ऐसी उजालों भरी रात में मेरे मन में एक सन्नाटा पसरा है। एक खालीपन है। कोई सवाल अदहन सा खदबदा रहा है। लगता है कोई बुला रहा। कोई है जो मन की डोर को हौले-हौले अपनी ओर खींच रहा है। कौन है वह, और सहसा जैसे समाधान मिल गया। अरे! ये तो अपने पके धान के महमहाते खेत है जो मन के द्वार पर दस्तक दे रहे थे, मिलने को लालायित, आतुर और उत्सुक। मस्तिष्क में अब शांति है और भोर में ही खेतों की ओर जाने का स्वप्न उगने लगा है। अटारी के बाहर झांक कर देखता हूं, रात बूढ़ी हो गयी है, रात का कालापन सिलेटी होने लगा है। पूरब के नीलेपन में लालिमा पसरने लगी है और धीरे-धीरे धानी रंग फलक पर चढ़ने लगा है। बहुत दूर आकाश में एक केसरिया लाल गोला चेहरा नीले वस्त्रों के बीच उभरने लगा है। चिड़ियां घोंसले छोड़ खेतों की ओर उड़ चली हैं और मैं भी। मेरे हाथ में लाठी है और कदम खेतों की ओर बढ़े जा रहे हैं, 'मुन्नू' भी पीछे लग गया है। अरे, इतना जल्दी खेतों के मध्य आ खड़ा हुआ हूं, किंतु किंकर्तव्यविमूढ़ हूं। किधर जाऊं, किससे पहले मिलूं, धान के खेत मेरी बांह पकड़े अपनी ओर खींच रहे हैं। साथ चल रहे बटाईदार काका हाथ के इशारे से बता रहे हैं कि इस खेत में मुसकन है, इसमें सोनम, उसमें शरबती तो पीपल के नीचे वाले में डंकल की नयी किसिम। पर कहीं धान की महक नहीं है। यूरिया, डीएपी एवं जिंक उर्वरक धानों की सुगंध और स्वाद को लील गये हैं। खेतों से गुजर रहा हूं। हरी घास के कोमल कालीन पर टंके मोती चहलकदमी से टूट-बिखर रहे हैं। अरुण रश्मियां इन मोतियों के अंदर इंद्रधनुष रच रही है। मैं लपककर तर्जनी में ओस की एक बूंद उठा लेता हूं। इंद्रधन्वा मेरी अंगुली की पोर पर झिलमिलाने लगा है और स्मृतियों में मेरे सामने बचपन के सुगंध बिखेरते खेत लहलहाने लगे हैं।

लगभग 35-40 वर्ष पहले धान की फसलों में विविधता थी। दुधराज, भैंसलोट, मुसकन, लोचईं, काला सुदास, तुलसी भोग, काला नमक, विष्णु भोग, नागकेसर, गांजाकली, करगा, बांसमुखी, गल्हरी आदि धान मेंड़ से गुजरने पर केवल सुगंध से पहचान में आ जाते थे। पर अब ये लुप्तप्राय हैं। उर्वरक और कीटनाशकों का प्रयोग बिल्कुल नहीं था। गोबर की देशी खाद से खेत उपजाऊ और जल धारण में समर्थ थे। खेत में मकड़ी बहुत थीं और जाले भी, उन जालों में कीट फंसते तो मकड़ियों और चिड़ियों का आहार बनते। हर धान का अपना गुण-धर्म था और पकने का निश्चित समय भी। अगैती पकने वाली किस्में दीपावली तक पक जातीं और किसान सहेदा काटकर पछार लेता। पशुओं को हरा मुलायम चारा मिलता और घर-आंगन में धान सूखने को फैलने लगता। मिट्टी के कोनैता में सूखे धान दर कर बगरी बना महिलाएं आंगन के कोने में गड़ी कांड़ी में मूसल से बगरी कूट-फटक भूसी-कना निकाल मीठे भूरे मटमैले चावल की गुलाथी पकातीं। दूध के साथ खाने में बहुत मीठा लगता। तब मेहमान केवल गुलाथी खाने के लिए चार-पांच दिन ठहरे रहते। दूध-गुलाथी खाये बिना वर्षों गुजर गये हैं किंतु स्वाद जिव्हा पर बसा हुआ है। अचानक मेरा स्वप्न टूटा, देखा कि धान के खेत से एक जंगली बिल्ली निकली और मेरे सामने से एक चूहा दबोच दूसरे खेत के धान बीच घुस गयी। तभी मुझे धान के बीजों को बचाने के लिए काम कर रहे पद्मश्री बाबूलाल दाहिया (सतना, म.प्र.) स्मरण आये, वे जानकारी देते हैं, "आजादी से पहले धान की एक लाख दस हजार किस्में थीं, किंतु अब मुश्किल से आठ हजार ही बची हैं और उनमें भी हर वर्ष कुछ किस्में मर रही हैं। मेरे पास दो सौ प्रकार के धान बीज उपलब्ध हैं।"

मैं वर्तमान में सुगंध-स्वाद हीन धान के खेतों के बीच खड़ा सोच रहा हूं कि इस प्रगति के नाम पर क्या-क्या खो दिया है। दूर तक फैले एक ही किस्म के धान के खेत मुझे नीरस, स्पंदनहीन और अनाकर्षक दिख रहे थे। अब गांवों में कोनैता नहीं दिखते, शाम को बगरी कूटती औरतों के श्रमगीतों के स्वरों की श्वास थम गयी हैं। दूध-गुलाथी की थाली मुझसे दूर जाती दिख रही है पर मुंह में गुलाथी की मिठास घुलने लगी है।

प्रमोद दीक्षित मलय
लेखक शिक्षक एवं शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक तथा लोक दर्शन यात्रा के संयोजक हैं।
बांदा, उत्तर प्रदेश

अमेरिका- राष्ट्रपति चुनावी परिदृश्य और भारत

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (दिल्ली): पाँच नवंबर 2024 को अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने जा रहा है। यह मुकाबला रिपब्लिक पार्टी के डोनाल्ड ट्रम्प तथा डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हेरिस के बीच होने जा रहा हैं। ध्यातव्य हैं कि कमला हेरिस की माँ भारत मूल की हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प इसके पूर्व 2017-21 तक पूर्व में राष्ट्रपति रह चुके हैं। हालाँकि डेमोक्रेटिक पार्टी के द्वारा वर्तमान राष्ट्रपति जों बाईडन को इन चुनावों में उम्मीदवार घोषित किया गया था लेकिन उन्होंने अपनी ज्यादा उम्र का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति कमला हेरिस के पक्ष में अपनी उम्मेदवारी छोड़ दी। अमेरिकी चुनाव की एक ख़ास बात यह हैं कि यहाँ पार्टी संगठन द्वारा उमीदवारों का चयन नहीं किया जाता, वरन संभावित उमीदवारों को अपनी उमीद्वारी प्राइमरी चुनावों के द्वारा स्थापित करनी होती हैं। अभी तक के हालातों को देखकर यह लगता है कि एक बहुत ही नजदीकी मुकाबला होगा। अंतिम परिणाम सात स्विंग स्टेट्स (जोर्जिया, निवादा, उत्तरी केरोलिना, मिशिगन, पेनसिल्वेनिया, एरिज़ोना व विस्कोंसिन) के परिणामों पर निर्भर करेगा। जब यह चुनाव हो रहे हैं तो इस समय विश्व में व्यापक पैमाने पर आर्थिक और भू-राजनैतिक तौर पर जबर्दस्त चुनौतियाँ विश्व के समक्ष व्याप्त हैं। यथा– यूक्रेन-रूस व इजराइल-हम्मास के मध्य भयंकर युद्ध चल रहा हैं। दूसरी तरफ विश्व उच्च मुद्रा स्फीति और आर्थिक मंदी का शिकार है। वर्तमान राष्ट्रपति जो बाईडन का नेतृत्व इन समस्याओं का निराकरण कर पाने में सफल नहीं हो पाया है। यहीं चुनौती नए राष्ट्रपति के समक्ष भी होगी।

पिछले चार वर्षों में अमेरिका की सर्वोच्चता को पर्याप्त चुनौती मिली है। नए राष्ट्रपति का पहला कार्य अमेरिका की प्रतिष्ठा को पुन: स्थापित करना होगा। जहाँ तक भारत का प्रश्न हैं भारत एक उभरती हुई विश्व शक्ति हैं। इसलिए भारत, किसी भी पार्टी का उम्मीदवार राष्ट्रपति के पद पर निर्वाचित हो जाने की स्थिति में अपना सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने की स्थिति में अप्रवासियों के अमेरिका आने पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी का रूख इसके बिलकुल विपरीत है।

यूक्रेन-रूस युद्ध के फलस्वरूप या युद्ध के कारण अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बावज़ूद भारत ने रूस से कच्चे तेल का आयात लगातार जारी रखा, इससे भारत-अमेरिका संबंधों में कुछ अडचनें भी आई। हालांकि यह भी सत्य हैं कि भारत अमेरिका के नेतृत्व में स्थापित अनौपचारिक संगठन 'क्वार्ट' का सदस्य भी है। यह संगठन अप्रत्यक्ष रूप से चीन की बढ़ती हुई ताकत को संतुलित करने के लिए स्थापित किया गया था।

इस प्रकार पूरे विश्व के साथ-साथ भारत में यह दिलचस्पी का विषय है कि अमेरिका का अगला राष्ट्रपति कौन होगा? और उसी के अनुरूप भारत को अपनी कूटनीति और विदेश नीति का परिचालन करना होगा।

संजय सोंधी
उपसचिव, भूमि एवं भवन विभाग, दिल्ली सरकार

भाईदूज के अवसर पर वक्त गुरु सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज की विश्व के जिम्मेदारों से अपील

सभी जिम्मेदार एक जगह इक्कठा हो करके युद्ध के बजाय शांति का रास्ता निकाले तो रास्ता निकल आएगा

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (उज्जैन/ म.प्र): वक़्त गुरु परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने दीपावली कार्यक्रम में उज्जैन आश्रम में दिए संदेश में बताया कि जहां लड़ाई हो रही और लड़ाई के लिए तैयार देशों के रहनुमओं से हम प्रार्थना करेंगे कि आप लोग शांति का रास्ता निकाल लीजिए और शांति के पथ पर चलिए जिससे जन-धन की हानि न हो।

विनाश के परिणामों से बचने की आवश्यकता

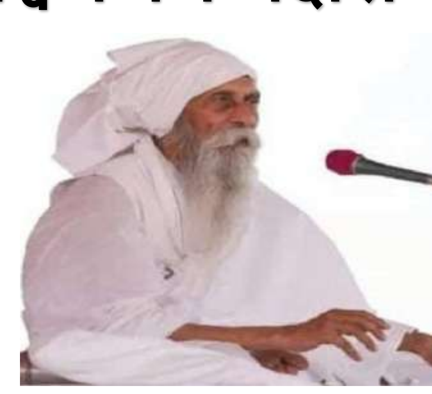

आदमी एक तरफ चले जाएं और दूसरी तरफ का नुकसान हो जाए, जमीन न रह जाए, गड्ढा बन जाए, रहने के लिए मकान न रह जाए, जरूरत की चीजें बाजारों में जहां मिलती हैं, वह न रह जाए, मनुष्य के फायदे के लिए जो जानवर बनाए गए, यह न रह जाए तो आदमी क्या खाएगा? कहां रहेगा? क्या करेगा? इसको सोचने की जरूरत है। धन-सम्पत्ति की भी हानि होगी तो आदमी जान बचाने पर भी सुखी नहीं रह सकता। इसलिए दोनों चीजे इस वक्त पर बचाना जरूरी है।

विश्व युद्ध की रूपरेखा बनाने वालो को बुला करके शांति का रास्ता निकाले तो रास्ता निकल आएगा नहीं होगा विनाश

और उन्हीं देश के लोगों को, जो जिम्मेदार लोग हैं, बुला करके, बैठा करके बात करें। जो इस समय पर लड़ाई करके विश्व युद्ध की रूपरेखा बनाने के लिये कमर कस करके तैयार हैं, उनको बुला करके, जिम्मेदार लोग रास्ता निकाले तो रास्ता निकल सकता है नहीं तो विनाश काले विपरीत बुद्धि। बुद्धि विपरीत हो जाएगी फिर विनाश होगा।

शिवशक्ति महायज्ञ का ध्वजारोहण

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के हरदेवचक पंचायत स्थित अति-प्राचीन बाबा जंगलीनाथ शिव मंदिर परिसर में बाल संत त्यागी जी महाराज इंटरनेशनल भिखारी के सानिध्य में होने वाले 160वें महायज्ञ को लेकर आचार्य परशुराम मिश्र व श्रीकांत मिश्र सहित अन्य ब्राह्मणों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत धर्म-ध्वजारोहण कार्य सम्पन्न करवाया गया।

इस दौरान मुख्य यजमान रामानंद पाण्डेय, व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रतिनिधि नृपेन्द्र ठाकुर, सुमन पाण्डेय, पंकज तिवारी, भोला तिवारी, धर्मराज तिवारी, विजय पाण्डेय, नीलेश ठाकुर, शिवदयाल ठाकुर, राजेन्द्र उरांव, भिखारी तिवारी, ब्रह्मा ठाकुर सहित भारी संख्या में तिवारी बासा, कमलचक, नौवाचक, पंचरुखी, गोकुलमथुरा सहित अन्य गाँव के धर्मपरायण लोग शामिल थे।

वहीं त्यागी जी महाराज ने 13 अप्रैल 2025 से आरम्भ होनेवाले शिवशक्ति महायज्ञ में क्षेत्रवासियों से तन-मन-धन के साथ समर्पित होकर महायज्ञ सफल करवाने का आह्वान किया है।

वर्ल्ड अमेच्योर शोतोकान कराटे फेडरेशन के तत्वावधान में नाज़ात रवींद्रनिकेतन हाई स्कूल में बेल्ट परीक्षा सम्पन्न

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (नाज़ात): 4 नवंबर 2024 – कराटे खेल में उत्कृष्टता और अनुशासन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ल्ड अमेच्योर शोतोकान कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में नाज़ात रवींद्रनिकेतन हाई स्कूल में बेल्ट परीक्षा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में हाई स्कूल के पाँच प्रमुख ब्रांचों– नाज़ात ब्रांच, कालीनगर ब्रांच, आतापुर ब्रांच, गांटी रामकृष्ण आश्रम और संदेशखाली ब्रांच के छात्रों ने भाग लिया। परीक्षा का आयोजन सेन्सेई तपन अधिकारी और सेन्सेई दीक्षा कर्मकार के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।

इस विशेष परीक्षा कार्यक्रम में संस्था के प्रेसिडेंट, क्यूशी सुमन रॉय ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। उन्होंने छात्रों की मेहनत और लगन की सराहना की और उन्हें कराटे में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। क्यूशी सुमन रॉय ने इस अवसर पर कराटे की शोतोकान शैली की महत्ता पर भी प्रकाश डाला और बताया कि कैसे यह छात्रों के शारीरिक, मानसिक, और आत्मरक्षात्मक कौशल को निखारता है।

परीक्षा के निर्णायक मंडल में अनुभवी कराटे प्रशिक्षकों का समूह शामिल था, जिसमें सेन्सेई पिंटू कुंडू, सेन्सेई राहुल सिन्हा, सेन्सेई इशिता साहा, सेन्सेई जोयिता दास, सेन्सेई कोयल बरुई, और सेन्सेई नंदिनी बर जैसे विशेषज्ञों ने अपने निर्णय से छात्रों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। प्रत्येक छात्र का परीक्षण उसके तकनीकी ज्ञान, आत्मविश्वास, अनुशासन और शारीरिक क्षमता के आधार पर किया गया।

इस आयोजन में छात्रों ने कठिन परीक्षाओं का सामना किया और अपने कराटे कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि फेडरेशन द्वारा दिए गए प्रशिक्षण का उनके जीवन में सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों ने अनुशासन और आत्मरक्षा के महत्व को समझा और अपनी कमियों पर कार्य करने का संकल्प लिया।

सेन्सेई तपन अधिकारी ने कहा, "हमारा उद्देश्य केवल कराटे की तकनीकी शिक्षा देना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि विद्यार्थी अपने जीवन में अनुशासन और आत्मनिर्भरता को भी आत्मसात करें। बेल्ट परीक्षा उनकी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है।"

छात्रों के अभिभावकों और स्कूल के शिक्षकों ने भी इस आयोजन में भाग लिया और संस्था के इस प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में, क्यूशी सुमन रॉय ने विद्यार्थियों को उनकी कराटे यात्रा में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएँ दीं और साथ ही कराटे को सामाजिक और मानसिक विकास का साधन बनाने पर बल दिया।

इस सफल आयोजन ने नाज़ात रवींद्रनिकेतन हाई स्कूल के छात्रों को कराटे के क्षेत्र में नई दिशा देने का काम किया है।

छठ महापर्व सामप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम

महापर्व छठ के लोकास्था की गुंज अब बिहार व भारत से बाहर भी होने लगी हैं

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (पीरपैती): लोकास्था व सूर्योपासना का अनुपम महापर्व छठ युगों-युगों से देश के पूर्वांचल क्षेत्र बिहार, झारखण्ड,पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराइयों में मनाया जाता रहा है। लेकिन कुछ वर्षों से यह महापर्व देश के अन्य सभी राज्यों सहित विदेशों में भी धूमधाम से किया जाने लगा हैं जो विश्वभर में प्रसिद्ध हो गया है। वहीं पर्यावरणविदों का दावा है कि छठ सबसे अधिक पर्यावरणानुकूल हिंदू त्यौहार है जो साम्प्रदायिक सौहार्द व भाईचारा को बढ़ावा देने वाले आस्था व मन्नत का पर्व है ये लोगों के भावनाओं से भी जुड़ी हुई है।

इस बार छठ पर्व पांच नवम्बर को पहले दिन यानी मंगलवार को नहाय-खाय के साथ छठ शुरू होगा, दूसरे दिन 6 नवंबर को खरना, 7 नवंबर को संध्या अर्घ्य और 8 नवंबर को प्रात: कालीन सूर्य देव को अर्घ्य देकर समापन होगा।

आस्था है कि जो छठ पर्व पर भगवान सूर्य और छठी माता की पूजा- अर्चना पूरे विधि विधान से करते हैं, उन्हें षष्ठी देवी संतान की प्राप्ति, संतान की दीर्घायु, संतान की कुशलता प्राप्त होती है। हिन्दु समाज में जब बच्चा जन्म लेता है और बच्चे के जन्म के छठे दिन मनाई जाने वाली छठी पर भी षष्ठी देवी की ही पूजा की जाती है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, छठी मईया बच्चों को बीमारियों और समस्याओं से बचाती हैं और उन्हें लंबी उम्र और अच्छा स्वास्थ्य देती हैं इसलिए यह पर्व लोगों के भावनात्मक पर्व मानी जाती है। वहीं बिहार में कुछ जगहों पर हिन्दुओं द्वारा मनाये जाने वाले इस पर्व को इस्लाम सहित अन्य धर्मावलम्बी भी मनाते देखे जाते हैं। माना जाता है कि इस पर्व का पालन करने से मन की हर मनोकामना पूरी होती है और परिवार में सुख-समृद्धि बरसती है। छठ पर्व को लोग समृद्धि और पूर्णता का प्रतीक बताते है।

छठ पूजा को लेकर कई कथाएँ प्रचलित हैं, उनमें से एक कथा के अनुसार जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गये, तब श्री कृष्ण द्वारा बताये जाने पर द्रौपदी ने छठ व्रत रखा। तब उनकी मनोकामनाएँ पूरी हुईं तथा पांडवों को उनका राजपाट वापस मिला। लोक परम्परा के अनुसार सूर्यदेव और छठी मइया का सम्बन्ध भाई-बहन का है। छठ पूजा आस्था का महापर्व माना जाता है। इस पर्व का नियमपूर्वक पालन करने से मन की हर मनोकामना पूरी होती है और परिवार में सुख-समृद्धि आती है।

ऋषिकान्त मिश्र
पत्रकार, पीरपैंती, भागलपुर

प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. सविता चड्ढा को मिलेगा साहित्य शिरोमणी राष्ट्रीय सम्मान

डॉ.शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (नई दिल्ली): उच्चतर शिक्षा एवं शोध केंद्र द्वारा ख्यातिनाम साहित्यकार,लेखिका एवं राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. सविता चड्ढा को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में साहित्य शिरोमणी राष्ट्रीय सम्मान से अलंकृत किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुवे उच्चतर शिक्षा एवं शोध केंद्र चंडीगढ़ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ.अमर सिंह वधान ने बताया कि 16 नवंबर को साहित्य अकादमी नई दिल्ली के सभागार में होने वाले राष्ट्रीय साहित्यकार सम्मान समारोह में भाषा,साहित्य, संस्कृति कला, एवं शोध के क्षेत्र में विशिष्ठ योगदान एवं शानदार उपलब्धियों के लिए विराट शख्सियत प्रसिद्ध साहित्यकार, लेखिका, संपादक, कहानीकार डॉ.सविता सुभाष चड्ढा को साहित्य शिरोमणी राष्ट्रीय सम्मान से विभूषित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है की बहुमुखी प्रतिभा की धनी डॉ.सविता चड्ढा पिछले चार दशकों से निरंतर लेखन कार्य कर रही है और विभिन्न विषयों पर उनकी अब तक

50 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। डॉ. चड्ढा एक संवेदनशील और जागरूक लेखक हैं जिन्होंने साहित्य की विभिन्न विधाओं में लिखकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। 28 अगस्त, 1953 को हरियाणा में जन्मी डॉ. सविता चड्ढा की 8 बाल कहानियां एनसीआरटी पाठ्यक्रम में चयनित हैं। तीन कहानियों पर टेलीफिल्म निर्माण हो चुका है।आप 60 से अधिक कहानियां आकाशवाणी पर पढ़ चुके हैं। आपकी पत्रकारिता की तीन पुस्तकों को दिल्ली विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय और देश के कई पत्रकारिता विश्वविद्यालयों में सहायक ग्रंथों के रूप में शामिल किया गया है। डॉ.सविता चड्ढा को पूर्व में भी अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अवार्ड और उपाधियों से नवाजा जा चुका है।

छठ महापर्व

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर 2024: आज मैं बात कर रहा हूँ छठ पूजा की। यह हमारे लिए केवल एक पर्व नहीं बल्कि महापर्व है। यह त्योहार हमारे यहाँ की संस्कृति एवं संस्कार को प्रदर्शित करता है। इस महापर्व के कण-कण में जितनी शुद्धता है वह किसी अन्य पर्व में नहीं मिलती। छठी मैया सूर्यदेव की बहन और ब्रह्मदेव की मानस पुत्री हैं; जिनका आशीष हमपर सदैव बना रहता है।

इस महापर्व में सबसे मुख्य सामग्रियों में से एक सूप डोम से खरीदना छुआछूत का न सिर्फ विरोध करता है बल्कि यह हमारे यहाँ के सद्भाव को भी दर्शाता है। एक तरफ सूरज को दुनिया सिर्फ उगते हुए पूजती है और यह भाव प्रकट करती है कि दुनिया केवल आपकी उन्नति में ही साथ है और अवनति में याद तक नहीं करती, वहीं दूसरी ओर हम उगते हुए सूरज के साथ-साथ डूबते हुए सूरज को भी पूजकर यह संदेश देते हैं कि हर परिस्थिति में हम एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ते हैं।

छठ पूजा हो और शारदा सिन्हा जी के गीत न गाए जाएँ, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। छठ पूजा के कई दिनों पहले से ही उनके गीत हमारे मन को सुकून देने लगते हैं और याद दिलाते हैं कि छठ महापर्व आ रहा है। ऐसा लगता है कि स्वयं छठी मईया ने ही उन्हें इस कार्य के लिए बनाया हो। हमारे यहाँ अन्य किसी भी पर्व पर लोग घर आएँ या न आएँ, लेकिन छठ पूजा पर घर आना निश्चित है। ट्रेन में चाहे कितनी भी भीड़ हो, दिक्कत चाहे कितनी भी आए; लेकिन छठी मईया अपने भक्तों को घर बुला ही लेती हैं।

चार दिनों के इस महापर्व की प्रतीक्षा हम पूरे वर्ष करते हैं। छठ पूजा के प्रथम दिन नहाय-खाय कहलाता है, जिसमें कद्दू-भात के प्रसाद का महत्व है। दूसरे दिन को लोहंडा या खरना कहते हैं, जिसमें व्रतियाँ पूरे दिन उपवास में रहकर शाम को खीर या रसिया का प्रसाद बनाकर छठी मईया से प्रार्थना कर ग्रहण करती हैं। इस रसिया का प्रसाद इस पर्व के अलावा अन्य किसी पर्व में नहीं मिलता। इसके बाद शुरू होता है छत्तीस घंटे का निर्जला उपवास। तीसरे दिन को डूबते सूर्य को अर्घ देने हम सपरिवार निकल पड़ते हैं छठ घाट की ओर। माथे पर दऊरा उठाकर घाट पहुँचाने की परंपरा हमें एक अलग उत्साह से भर देती है। चौथे दिन सूर्योदय से पहले छठ घाटों का मनोरम दृश्य देखते ही बनता है, और ऐसा लगता है कि छठ व्रतियों के साथ-साथ धरती का कण-कण प्रतीक्षा कर रहा हो सूर्यदेव के उदित होने की। सूर्यदेव को अर्घ देने का न केवल धार्मिक बल्कि बल्कि वैज्ञानिक महत्व भी है, जिससे शरीर की रोग प्रतिरोधात्मक शक्ति में भी वृद्धि होती है। सूर्यदेव को अर्घ देने के बाद अब बारी आती है छठ के महाप्रसाद की। महाप्रसाद के रूप में फलों के साथ-साथ ठेकुआ का प्रसाद पाना मन को तृप्त करता है। यह ठेकुआ हमारे लिए एक भाव है, उत्साह है, सुकून है और हमारी संस्कृति का एक अभिन्न अंग है।

श्रद्धा के साथ छठी मईया से जो भी माँगा जाए, वह जरूर देती हैं। इसलिए आज यह बिहार, झारखण्ड, उत्तर प्रदेश और भारत के अन्य राज्यों के साथ-साथ अन्य कई देशों में भी मनाया जाने लगा है।

चन्दन केशरी
झाझा, जमुई, बिहार

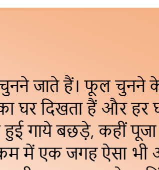

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL – 713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

वो मनभावन भोर

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर 2024: हम रोज अपने सोसाइटी जमशेदपुर स्थित टेल्को घोराबंधा आलोक विहार में फूल चुनने जाते हैं। फूल चुनने के क्रम में कभी-कभी सोसाइटी के बाहर गाँव देहात आदिवासियों के घर के तरफ भी चले जाते हैं। जहाँ आदिवासियों का मिट्टी का घर दिखता हैं और हर घर की महिलाएं पुरुष दोनों सुबह-सुबह गोबर से अपने घर बाहर लिपती हुई दिखतीं हैं।झुरमुट से ताकते हुए प्रभु दिनमान, चरती हुई गाये बछड़े, कहीं पूजा की घंटी की आवाज, दृश्य बड़ा ही मनभावन और मनोहारी होता है। शायद हम सभी यह दृश्य देखना भूल गए हैं। फूल चुनने के क्रम में एक जगह ऐसा भी आता है जहाँ एक काफ़ी बड़ा घर है वह भी आदिवासी का उसके घर के बाउंड्री के अंदर काफी वृहद हरसिंगार का वृक्ष है और जैसा की हम सब जानते हरसिंगार के फूल झर जाते हैं तो उस घर के बाहर हरसिंगार के फूल पड़े रहते हैं काफी मात्रा में और वही छोटे-मोटे पहाड़ भी है जिसके ऊपर फूल बड़े स्वच्छ तरीके से पड़े रहते हैं तो हम वहां से चुनतें हैं। तभी एक दूसरे घर से एक महिला निकली उसने कहा कि "मासी फुल चाई तोमा के ऐखाने आसो ना आमार बाड़ी तें ओनेक फूल आछे गो निये जाओ गो माँ"।उस महिला का चेहरा भीतर से दमकता हुआ भोलापन,सरलता सहजता और सुन्दर मुस्कान, जब हम उसके घर के अंदर गये तो शीश झुक गये, जब दिखा मेरा प्रिय फूल हरश्रृंगार बिखरा हुआ मेरे आँचल में ओढ़नी में समाने को आतुर ।वापस अपने घर आते क्रम में उस महिला की मुस्कान अपने संग अपने आनन पर लेकर आयी। हरश्रृंगार के प्रति मेरी श्रद्धा, आकर्षण और प्रेम ये तो बंशीधर ही जाने। कुछ तो हैं, नमन मोहन नागर किशन इस मीरा को उपहार देने के लिए, और प्रभु के चरणों पर अर्पित करने के लिए।

सविता सिंह मीरा, जमशेदपुर

उपन्यास मां- भाग 54

बेमौसम फल

रश्मि रामेश्वर गुप्ता

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (बिलासपुर/ छत्तीसगढ़): दोबारा बेटे से झटका खाने के बाद शायद मां को एहसास हो रहा था फिर भी वो बेटे के पास जाने का नाम लेती, कभी अपने ससुराल वाले घर का नाम लेती तो मिनी बस इतना कहती कि गए थे न, घर के बाहर से भगा दिए आप भूल गए क्या? मां कहती - "मुझे मेरे ससुराल वाले घर ले चलो।"
मिनी कहती- "मां! वो घर तो खंडहर हो चुका अब कैसे ले जाऊं?"
धीरे धीरे मां की आंखें कमजोर होने लगी। पास में रखा पानी का ग्लास भी मां देख नहीं पाती थी। मां को अब ढाई वर्ष हो रहे थे बिस्तर पर रहते। हर रोज मिनी का जो काम था वो रूटीन से चल रहा था। अब मिनी की तबियत खराब होने लगी थी। घर के लोग भी महसूस कर रहे थे कि अब मिनी भी टूटे जा रही है।
आदमी तन से नहीं वास्तव में मन से थकता है।
भैया ने सर का जो अपमान किया वो मिनी के लिए असहनीय था। मिनी आत्मग्लानि से भरती जा रही थी। उसके पास अब मां की बातें सुनने के अलावा कोई चारा नहीं था क्योंकि मां अब बचपन में लौट आई थी।
कभी वो पूरे बिस्तर पर घूम जाती थी। कभी उठने की कोशिश में गिरने की स्थिति में आ जाती थी। मिनी का ध्यान पूरे समय मां पर ही लगा रहता, ऐसे में स्कूल भी, बच्चे भी, समाज भी सब कुछ नीरस सा लगने लगा था।
बस एक भगवान का ही सहारा था। मिनी भगवान के आगे जाकर प्रार्थना करती कि भगवान मां की और मिनी की रक्षा करे। घर के लोग भी स्तब्ध रहते थे। पता नहीं ईश्वर शायद मिनी के धैर्य की परीक्षा ले रहे थे। अब बेटे का सलेक्शन भी कॉलेज के लिए दूर में हो चुका था।
मिनी ने बेटे से कहा- "बेटा ! नानी की ऐसी हालत है और तुम भी मुझे छोड़कर चले जाओगे तो मैं कैसे रह पाऊंगी?"
बेटे ने मां की स्थिति समझी और पास के शहर में ही एडमिशन ले लिया। पर जब से बेटा गया तब से नानी का मन अपने नाती के पास ही लगा रहता।
जिस दिन वो याद करती उस दिन उसका प्यारा नाती बेटा भी बिना बताए ही घर आ जाता।
धीरे धीरे मां ने खाना बिल्कुल ही कम कर दिया। सर उनके लिए हर प्रकार की चीजें लाते पर वो जरा सा खाकर कहती कि अब भूख नहीं है। सर एक महीने से मां से रोज पूछते -" मां ! आज आपको क्या खाने का मन है बताइए मैं लेकर आऊंगा।"
मां रोज नए चीज का नाम लेती। सर हर हाल में लेकर आते । अगर मां बेमौसम फल का नाम भी लेती तो वो कहीं से भी ढूंढकर लाते। मां खुश हो जाती। एक दिन मां ने खीर का नाम लिया और उसी दिन मिनी का बेटा भी घर आ गया। उसने अपने हाथों से नानी को खीर खिलाया। नानी बहुत खुश हुई। बेटा देख रहा था कि मां लगातार ढाई साल से नानी की सेवा करती आ रही है। अब मां की तबियत भी खराब हो रही है तो दूसरे दिन सुबह सुबह बिना बताए उसने नानी का कमरा साफ़ कर दिया और अपने कॉलेज भी चला गया।....... क्रमश:

तौलियां को सामुहिक श्रद्धांजलि देना

कोलफील्ड मिरर 04 नवम्बर 2024: मास्टर चंगू राम मस्त मौला की तरह 12 महीने 32 ही घड़ी मस्ती में रहते हैं। मास्टर चंगू राम की इस मस्ती के कारण मस्त मौला के नाम से प्रसिद्धि पा चुके हैं। उनके कंधे पर ठंड, गर्मी, बरसात या चाहे जैसा ही मौसम क्यों ना हो उनके कंधे पर हमेशा एक तौलियां वेताल की तरह लटका ही रहता है। मास्टर चंगू राम के साथ रहने वाले बचपन के दोस्त एवं उनसे जुड़े रिश्तेदारों का कहना है कि मास्टर चंगू राम और तौलिया का संबंध जन्म-जन्म का संबंध है यह अटूट बंधन है ।

मास्टर चंगू राम ने जब पहली बार तौलिया का भाव पता करके दुकानदार से तोल मोल करके नेताजी की तरह चटपटे भाषण का प्रेम भरा रसपान करवा कर तौलिया को सस्ते में खरीद लिया तब से लेकर आज तक तौलिया प्रेम का सिलसिला चला आ रहा है। चंगू राम सोचने लगा कि, चलो पंचवर्षीय योजना की तरह तौलिए का काम हो गया। तौलिया खरीद कर जैसे ही कंधे पर डाला तो ऐसा लग रहा था जैसे मास्टर चंगू राम चुनाव जीत कर मंत्री पद ग्रहण कर चुके हैं। मास्टर चंगू राम का तौलिया देख कर कई लोगों की नियत डगमगा गई थी ठीक उसी प्रकार सत्ता सुंदरी को देखकर किसी नेता की नियत बदल जाती है और वह पार्टी छोड़कर दूसरे पार्टी में चला जाता है । तौलिया भी बिना किसी भेदभाव के, रुकावट के मास्टर चंगू राम के साथ कंधे से कंधे मिलाकर बड़ी मजबूती के साथ कंधे पर लटका रहा और प्रथम पंचवर्षीय योजना पूरी होने के बाद तौलिया दूसरी पंचवर्षीय योजना प्रवेश कर गया इन 10 सालों की लंबी यात्रा के दौरान चंगू राम का तौलिया कंधे पर लटक लटक कर चूर-चूर हो गया। तौलिया कई बिमारियों के चलते जिर्ण शिर्ण अवस्था में पहुंच गया उसका कई बार दर्जी से इलाज करवाया गया था विकट परिस्थितियों के चलते वह कभी भी दम तोड़ सकता है। तौलिया का इलाज कर रहे हैं दर्जी ने सख्त लहजे में हिदायत दी की, आपका तौलिया कभी भी आपका साथ छोड़ सकता है. अतः आप सावधान हो जाइए। इस सूचना को मास्टर चंगू राम सुनी अनसुनी करके अपना काम करने लग गए।

10 साल की इस लंबी मैराथन दौड़ में अंततः तौलिया हार गया और वह काल का ग्रस बनाकर मृत्यु को प्राप्त हो गया। मास्टर चंगू राम तौलिया के नहीं रहने पर बहुत दुखी हुए उन्हें इस बात का दुख नहीं था कि उनकी दौलत चली गई दुख इस बात का है कि, उसका पसंदीदा तौलिया हर समय साथ रहने वाला उनके कंधे पर बेताल की तरह हर मौसम में लटकाने वाला तौलिया उनसे बहुत दूर होकर चिर निद्रा में सो गया। मास्टर चंगू राम के रिश्तेदारों मिलने जुलने वालों और बचपन के मित्रों को सोशल मीडिया के माध्यम से खबर लगी की, मास्टर चंगू राम का तौलिया काल का कालग्रस बन चुका है उसको श्रद्धांजलि देने पहुंचना है।

मास्टर चंगू राम के लोकप्रिय पसंदीदा तौलिए की सामूहिक श्रद्धांजलि देने के लिए सभी एक जगह एकत्रित होकर अपने हिसाब किताब से श्रद्धांजलि देते हुए नजर आए।

प्रकाश हेमावत
बुध्देश्वर मंदिर की तरफ टाटा नगर रतलाम

वैश्विक छठ महापर्व 5-8 नवंबर 2024- विश्वास श्रद्धा और प्रकृति के प्रति आभार व सूर्य देव और छठ मैया को समर्पित महापर्व

छठ पूजा से स्वास्थ्य व समृद्धि की प्राप्ति होने की पौराणिक मान्यता है

पौराणिक मान्यता, छठ मैया की पूजा करने से व्रती को आरोग्यता सुख समृद्धि संतान सुख का आशीर्वाद प्राप्त होना सराहनीय

कोलफील्ड मिरर 04 नवम्बर (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर भारत को सृष्टि ने जहां एक ओर प्रकृति का अणखुट ख़ज़ाना दिया है,तो वहीं कुदरत ने हमारे जाति धर्म की आध्यात्मिक मान्यता को सुरक्षित करके बरक़रार रखा है, जो पौराणिक काल से सत्यता का प्रतीक बनीं हुई है,जो पीढ़ी दर पीढ़ी से चला आ रहा है। आज हम इस विषय पर बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इस वर्ष दो दिन दीपावली पर्व मनाया गयाहै, तो छठ पर्व 5 से 8 नवंबर 2024 को मनाया जा रहा है।बतादें आर्टिकल में दी गई जानकारी मान्यताओं पर आधारित है इसका कोई सटीक प्रमाण नहीं है। भारत मे कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है। बस, जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है,क्योंकि प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है! इसलिए आज हम छठ पर्व की पावन बेला पर मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वैश्विक छठ महापर्व 5 से 8 नवंबर 2024, विश्वास श्रद्धा और प्रकृति के प्रति आभार व सूर्य देव और छठ मैया को समर्पित पर्व है।

साथियों बात अगर हम भारत में छठ महापर्व 2024 की पावन बेला पर खुशियों से सराबोर होकर नहाने की करें तो, छठ पूजा का त्योहार 05 नवंबर से शुरू, व 08 नवंबर 2024 को पूर्ण होंगा। इस दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। 08 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा और इसी के साथ छठ पूजा का समापन व व्रत पारण किया जाएगा। छठ पर्व की शुरूआत नहाय-खाय के साथ होती है। इसके दूसरे दिन को खरना कहते हैं। इस दिन व्रती को पूरे दिन व्रत रखना होगा। शाम को व्रतीमहिलाएं खीर का प्रसाद बनाती हैं। छठ व्रत के तीसरे दिन सूर्य देव की पूजा की जाती है। इस दिन महिलाएं शाम के समय तालाब या नदी में जाकर सूर्य भगवान को अर्घ्य देती है। चौथे दिन सूर्य देव को जल देकर छठ पर्व का समापन किया जाता है। इस त्योहार को सबसे ज्यादा बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी बंगाल सहित पूरे विश्व में जहां उत्तर भारतीय निवासी हैं मनाया जाता है। साथ ही इसे नेपाल में भी मनाया जाता है। इस त्योहार को सूर्य षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। छठ पूजा का पर्व संतान के लिए रखा जाता है। छठ में 36 घंटे का निर्जला व्रत रखा जाता है। इस साल 2024 में दो दिन दिवाली मनाए जाने के बीच अब लोगों में छठ पूजा की तारीख को लेकर कन्फ्यूजन बना हुआ है, क्योंकि देश के कुछ राज्यों में 31 अक्टूबर को दिवाली मनाई गई और कुछ राज्यों में 1 नवंबर को दिवाली मनाई गई है।छठपूजा सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित एक महत्वपूर्ण महापर्व है। दो दिन दिवाली मनाए जाने के आधार पर छठ पूजा की सही तारीख यहां पर जान सकते हैं। मीडिया में दिए गए द्रिक पंचांग के अनुसार, छठ पूजा का पर्व कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है। इस साल 2024 में षष्ठी तिथि 7 नवंबर दिन गुरुवार को तड़के सुबह (पूर्वाहन) 12 बजकर 41 मिनट पर शुरू होगी और 8 नवंबर दिन शुक्रवार को तड़के सुबह (पूर्वाहन) 12 बजकर 34 मिनट पर समाप्त होगी।ऐसे उदया तिथि के अनुसार, छठ पूजा का पर्व 7 नवंबर दिन गुरुवार को ही मनाया जाएगा।छठ पूजा संपन्न करने के लिए इस तरह से शाम के समय का अर्घ्य 7 नवंबर को और सुबह का अर्घ्य 8 नवंबर को दिया जाएगा।इसके बाद व्रत का पारण किया जाएगा। (1) छठ पूजा का पहला दिन, 5 नवंबर 2024- नहाय खाय (2) छठ पूजा का दूसरा दिन, 6 नवंबर 2024- खरना (3) छठ पूजा का तीसरा दिन, 7 नवंबर 2024- संध्या अर्घ्य (4) छठ पूजा का चौथा दिन, 8 नवंबर 2024- उषा अर्घ्य 36 घंटे का होता है निर्जला व्रत।हिन्दू धर्म में छठ पूजा में छठी मैया और सूर्य देवता की विधि-विधान से पूजा की जाती है. दिवाली के छह दिन बाद छठ पर्व मनाया जाता है। छठ पूजा चार दिनों तक चलता है, जिसमें शुरुआत होती है नहाय-खाय और खरना से. फिर डूबते और उगते सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है। इसमें व्रती महिलाएं नदी में कमर तक जल में डूबकर सूर्यदेवता को अर्घ्य देकर उनकी पूजा करती हैं। इसमें 36 घंटों तक निर्जला व्रत रखा जाता है, जो बेहद ही कठिन माना जाता है।पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, छठी मइया की पूजा करने से व्रती को आरोग्यता सुख-समृद्धि, संतान सुख का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

साथियों बात अगर हम छठ व्रत में निर्जला व्रत की करें तो, हिन्दू धर्म में छठ पूजा में छठी मैया और सूर्य देवता की विधि-विधान से पूजा की जाती है। दिवाली के छह दिन बाद छठ पर्व मनाया जाता है।छठ पूजा चार दिनों तक चलता है, जिसमें शुरुआत होती है नहाय-खाय और खरना से, फिर डूबते और उगते सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है, इसमें व्रती महिलाएं नदी में कमर तक जल में डूबकर सूर्यदेवता को अर्घ्य देकर उनकी पूजा करती हैं।छठ पूजा एक ऐसा महापर्व है जो अपने आप में विश्वास, श्रद्धा और प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक है।छठ पूजा सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित है।सूर्य देव को जीवनदाता माना जाता है और छठी मैया को संतान की देवी, इस पर्व के माध्यम से लोग प्रकृति के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं। सूर्य, जल और वायु इन तीनों तत्वों की पूजा की जाती है। छठ पूजा करने से स्वास्थ्य और समृद्धि की प्राप्ति होती है। छठ पूजा के दौरान सभी लोग मिलकर पूजा करते हैं, जिससे सामाजिक एकता बढ़ती रहें।

साथियों बात अगर हम छठ महापर्व के उपलक्ष में ट्रेनों में भीड़ और सरकार द्वारा किए गए इंतजामों की करें तो फेस्टिव सीजन में ट्रेनों में भारी भीड़ उमड़ रही है। पहले दिवाली को लेकर भारी भीड़ उमड़ रही थी तो अब छठ पर्व पर घर जाने के लिए लोग घंटों ट्रेनों का इंतजार करते देखे जा रहे हैं। दिल्ली-मुंबई समेत सभी प्रमुख स्टेशनों पर बिहार-झारखंड जाने वाले यात्रियों की भीड़ उमड़ रही है तो रेलवे ने भी छठ पूजा को देखते हुए व्यापक इंतजाम किए हैं। इस साल 7296 स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं तो सभी प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों के ठहरने कीव्यवस्था रेलवे ने की है। अतिरिक्त टिकट मशीन से लेकर हेल्प डेस्क तक तमाम इंतजाम रेलवे ने किए हैं। जिससे कि छठ पूजा के लिए घर जा रहे लोगों को परेशानी न हो। दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल पर भी बड़ी संख्या में बिहार झारखंड जाने वाले लोगों की भीड़ उमड़ रही है। यहां भी प्रशासन ने हेल्प डेस्क से लेकर तमाम सुविधाएं मुहैया कराई हैं। जिससे कि छठ पर्व पर घर जाने वाले लोगों को परेशानी ना हो। रेलवे का फोकस भीड़ को कंट्रोल करने पर है। सभी बड़े स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाया गया है। यात्रियों को होल्डिंग एरिया में रोका जा रहा है। ट्रेन लगने के बाद ही यात्री प्लेटफार्म तक जा पाएंगे। 1 ट्रेन की क्षमता के लायक यात्रियों को ही प्लेटफॉर्म तक भेजा जाएगा। बाथरूम में यात्री मिले तो ट्रेन को रवाना नहीं किया जाएगा।आरपीएफ द्वारा बाथरूम को खाली करवाने के बाद ही ट्रेन रवाना होगी ऐसा अपुष्ट सूत्रों के अनुसार कहा जा रहा है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वैश्विक छठ महापर्व 5-8 नवंबर 2024-विश्वास श्रद्धा और प्रकृति के प्रति आभार व सूर्य देव और छठ मैया को समर्पित महापर्व। छठ पूजा से स्वास्थ्य व समृद्धि की प्राप्ति होने की पौराणिक मान्यता है। पौराणिक मान्यता छठ मैया की पूजा करने से व्रती को आरोग्यता सुख समृद्धि संतान सुख का आशीर्वाद प्राप्त होना सराहनीय है।

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभक़ार साहित्यकार अंतर्राष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गुनगुनी धूप का आनंद

शीत की कंपाती सुबह में बैठ लें
चलो आँगन में बिछी खाट पर लेट लें
लें गुलाबी ठंड में गुनगुनी धूप का आनंद
आओ आसमान को बाहों में समेट लें

पत्तों की चरमराहट कि कोई आया है
मन किसी आवाज़ से भरमाया है
दूर दूर तक नहीं कोई परिंदा भी
शीत ने संसार को सूना सूना बनाया है
एकाकी भरम में निस्तब्धता को लपेट लें
आओ आसमान को बाहों में समेट लें

कहीं दूर से उठता धुआँ कहे कि कोई है
दूर दूर तक प्रकृति सुंदरता सी सोयी है
मन विचर रहा है संसार भर के एकांत में
ओस की बूंदें ज्यों सारी रात रोयी है
पोंछे आंसू धरती के सूरज गगन में बैठ के
आओ आसमान को बाहों में समेट लें

सारी सड़क सुनसान सी सूनी पड़ी है
राह में गहरे धुंध की बड़ी चादर खड़ी है
कुछ कहने लगा है बहती हवा का शोर
धरती सूरज के बीच चल रही आंखलड़ी है
जीवन के सब रंग प्रकृति संग समेट लें
आओ आसमान को बाहों में समेट लें

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आन्ध्रप्रदेश)
कोलफील्ड मिरर

कुचल दिया भरोसा ले गया विश्वास निकाल

सुना था शहर में मिलता है फसल का अच्छा दाम
यही सोच कर निकल पड़ा गांव से एक किसान
दो घंटे की उतराई सिर पर बेचने के लिए कुछ सामान
जा पहुंचा भटकते भटकते सामने दिखी आढ़ती की दुकान

इतने में सामने से आ गया एक लड़का जवान
हाव भाव उसके देखकर लिया उसने यह जान
देहाती है पहली बार पहुंचा है गांव से शहर
पांव छुए उसके दिया बहुत इज़्ज़त मान

इतना अपनापन क्यों जता रहा है यह अनजान
समझ नहीं पाया सीधा साधा भोला वह किसान
बातों ही बातों में फैलाया उसने ऐसा जाल
ऐसा लगा उसको जैसे बरसों की है पहचान

थोड़ी देर बात करके किसान को चंगुल में फंसाया
अच्छे दामों की बात करके उसका सामान उठाया
किसान को सड़क के किनारे पैरापिट पर बिठाया
माथा ठनका किसान का बहुत देर तक जब वह नहीं आया

थोड़ी देर में एक भद्रपुरुष उधर से गुजरा
नज़र पड़ी उसकी गुमसुम बैठा था किसान
पूछा उसने क्यों भाई क्या हुआ क्या है बात
सुन कर उसकी बात बहुत हुआ हैरान

ठग था वह लड़का चल गया था अपनी चाल
अपना बन कर लूट लिया था किसान का सारा माल
पछता रहा था क्यों आया शहर बेचने सामान
कुचल दिया भरोसा ले गया विश्वास निकाल

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं, बिलासपुर हि प्र
कोलफील्ड मिरर

विंध्य गौरव अवार्ड सीजन 4 का भव्य आयोजन इंदौर में

कोलफील्ड मिरर 05 नवम्बर (रीवा): विंध्य की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित और प्रतिष्ठित करने वाला "विंध्य गौरव अवार्ड" के सीजन 4 का आयोजन 18 जनवरी 2025 को इंदौर में किया जाएगा।

स्नेहा इवेंट्स के द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले इस सम्मान समारोह में बॉलीवुड के साथ पूरे देश से कलाकार साहित्यकार समाजसेवी और उद्योगपति बड़ी संख्या में जुड़ते हैं। जिन्हें मोमेंटो शाल श्रीफल देकर संस्था स्वयं को गौरवान्वित महसूस करती है। स्नेहा इवेंट्स के डायरेक्टर विष्णु मिश्रा द्वारा मीडिया में जानकारी देते हुए बताया गया कि विंध्य गौरव अवार्ड इस बार मिनी मुंबई कहे जाने वाले शहर इंदौर में आयोजित होगा जो कि मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और औद्योगिक राजधानी है।

उन्होंने बताया कि इस समारोह में कृषि, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनीति, इंटरटेनमेंट, लोककला, साहित्य, संगीत, के साथ प्रदेश के एक वरिष्ठ गौरवपूर्ण डायरेक्टर को प्रतिष्ठित अवार्ड दिया जाना है।

इस आयोजन में धर्म, समाजसेवा, एनजीओ, शिक्षा संस्थान और भारतीय सेनाओं के चयनित व्यक्तियों के सम्मान के साथ उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में, उत्कृष्ट कार्य करते हुए विंध्य को गौरवान्वित करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा।

उक्त आशय की जानकारी देते हुए स्नेहा इवेंट कंपनी के डायरेक्टर विष्णु मिश्रा ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी विंध्य गौरव अवार्ड सीजन 4 के तहत इंदौर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में विंध्य की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। उन्होने बताया कि हमारे विंध्य क्षेत्र की उत्कृष्ट प्रतिभाओं से विंध्य का नाम पूरे देश में होता है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष विंध्य गौरव अवॉर्ड सीजन 4 के साथ "अटल लाइफ टाईम अचीवमेंट विंध्य रत्न अवॉर्ड" की भी शुरुआत हो रही है। जिसके चयन की प्रक्रिया आरंभ हो रही है। इसमें मरणोपरांत व्यक्ति के संपूर्ण जीवन काल का आकलन कर उन्हे सम्मानित किया जाएगा। ये सम्मान सही मायनों में विंध्य का सम्मान होगा।

विष्णु मिश्रा के अथक प्रयासों द्वारा अयोजित इस अवॉर्ड का चौथा वर्ष है जो विंध्य की धरती में जन्मे उन प्रतिभाओं को समर्पित हैं जिन्होंने उपरोक्त क्षेत्रों में बहुमूल्य योगदान, दिया है। स्नेहा इवेंट परिवार अपनी सहयोगी संस्थाओं और अन्य के साथ इस आयोजन की निरंतरता बनाए हुए है। जिन्होंने ऐसी प्रतिष्ठा को शिरोधार्य करने का संकल्प लिया हैं।

मध्यप्रदेश में "राज्य माता- स्वदेशी गौ माता' का दर्जा दिया जाना आवश्यक

कोलफील्ड मिरर 04 नवम्बर 2024: प्रदेश में गोवंश पालने वालों को मिलेगा क्रेडिट कार्ड की खबर समाचार पत्रों में पढ़ने को आई| दस से अधिक गोवंश पालने वालों को विशेष अनुदान दिया जाएगा| इससे दुग्ध उत्पादन में देश में मप्र की भूमिका बढ़ेगी| महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय संस्कृति, कृषि और स्वास्थ्य देखभाल में स्वदेशी गाय को औपचारिक रूप से 'राजमाता -गौ माता' का दर्जा दिया है| मध्यप्रदेश में भी "राज्य माता- स्वदेशी गौ माता" का दर्जा दिया जाना चाहिए| मुख्यमंत्री माननीय डॉ मोहन यादव जी ने गोवंश हित में लगे रहकर जो पुनीत निर्णय लिए है| उनकी गोवंश सेवा के प्रति भक्ति वाकई प्रेरणादायक है। इससे जागृति अवश्य आएगी| गो भक्ति के सतत प्रयास से आने वाले समय में मध्यप्रदेश नंबर वन पर आएगा|

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश की जनता से अपील की अगर आपके पास के हित पर्याप्त जगह है तो गाय अवश्य पाले| देखा जाए तो हमारा पूरा जीवन गाय पर आधारित है। गाय की देखभाल भी आवश्यक है क्योकि गाय हमारी माता है एवं गौ रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है। अतः मध्यप्रदेश में राज्य माता-स्वदेशी गौ माता" का दर्जा दिया जाना चाहिए। बीमारियों की इलाज की लिए म्यूजिक थेरेपी इंसानो पर ही कारगर नहीं है इससे गोवंश का भी इलाज हो रहा है भारतीय संस्कृति में गौ सेवा का प्रमुख स्थान है| गुजरात के नड़ियाद में बांसुरी की धुन सी एक लाख गाय का इलाज किया गया| बांसुरी की धुन को रिकार्ड कर देश भर की गौशालाओ में आडियो मुफ्त में दिया जावेगा| बांसुरी की धुन से स्ट्रेस लेवल घटता है| विदेशो में भी अब गाय के स्पर्श को प्राथमिकता दी जाकर स्ट्रेस कम किये जाने का चलन हो चूका है जिससे बींमारी ठीक होती है| गाय हमें सात्विक श्रद्धा प्रदान करती है| गौवंश की महिमा के बारे में ग्रँथों में उल्लेख है। गौ माता का (गोधूलि वेला) जंगल से घर वापस लौटने का संध्या का समय अत्यंत शुभ एवं पवित्र है।गाय का मूत्र गौ औषधि है। माँ शब्द की उत्पत्ति गोमुख से हुई है। मानव समाज में भी माँ शब्द कहना गाय से सीखा है। जब गौ वत्स रंभाता है तो" माँ" शब्द गुंजायमान होता है। गौ हत्या हो रही है उस पर रोक लगनी चाहिए| गाय का गोबर, मूत्र, दूध एक धन संपदा के रूप में हमें उपहार देती आई है| जिससे हमारे धार्मिक कार्य पूर्ण होते आये है। गोवंश की रक्षा हेतु सभी को जागृत रहना होगा माननीय डॉ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी ने प्रदेश की जनता से अपील की अगर आपके पास के हित पर्याप्त जगह है तो गाय अवश्य पाले।धार्मिक ग्रंथों में लिखा है "गावो विश्वस्य मातर :"अर्थात गाय विश्व की माता है। देखा जाए तो हमारा पूरा जीवन गाय पर आधारित है। गाय की देखभाल भी आवश्यक है क्योकि गाय हमारी माता है एवं गौ रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है। अतः मध्यप्रदेश में राज्य माता-स्वदेशी गौ माता" का दर्जा दिया जाना चाहिए।

संजय वर्मा "दृष्टि"
125 बलिदानी भगत सिंह मार्ग
मनावर जिला -धार (म प्र)

विश्व भूषण सम्मान का होगा आयोजन

कोलफील्ड मिरर 04 नवम्बर (लखनऊ): 11 नवंबर को उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के मुंशी प्रेमचंद सभागार में निहारिका साहित्य मंच कंट्री ऑफ़ इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वाधान में होगा विश्व भूषण सम्मान का आयोजन, जिसमें देश-विदेश के 55 विभूतियों को सम्मानित किया जायेगा। यह आयोजन मंच के द्वितीय वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में रखा गया है। इस आयोजन में रचनाकार एवं समाजसेवियों का सम्मान होगा। मंच की संस्थापिका डॉ रीमा सिन्हा जो कि कंट्री ऑफ़ इंडिया अखबार की ब्यूरो हेड एवं प्रिंट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं उन्होंने बताया कि दो वर्ष पहले 11 नवंबर को उन्होंने फेसबुक पर निहारिका साहित्य मंच बनाया था और तभी से उनके मन में साहित्य की सेवा एवं साहित्यकारों को मंच देने का मन था। वे उन साहित्यकारों को ज्यादा प्राथमिकता देती हैं जो लिखते बहुत अच्छा हैं किन्तु किसी कारणवश मंच तक नहीं पहुँच पाते। निहारिका के द्वारा समय समय पर कूरियर से भी विजेता रचनाकारों को सम्मान भेजे जाते हैं। जब वह कंट्री ऑफ़ इंडिया अख़बार से जुड़ी तब से इस मंच का नाम निहारिका साहित्य मंच कंट्री ऑफ़ इंडिया हुआ और चंद महीने पहले रेजिस्ट्रेशन के उपरांत इसका नाम निहारिका साहित्य मंच कंट्री ऑफ़ इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट हो गया।डॉ. रीमा सिन्हा को आरम्भ से ही निःशुल्क साहित्यिक एवं सामाजिक सेवा में रूचि थी और उनके सपनो को उड़ान प्रिंट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अब्दुल अज़ीज़ सिद्दीक़ी जो कि कंट्री ऑफ़ इंडिया के प्रधान संपादक भी हैं उन्होंने दिया। वर्तमान में निहारिका की अध्यक्षता भी वही देख रहे हैं। मंच के द्वारा दो वर्षों में 12 निःशुल्क आयोजन हो चुके हैं एवं यह 13 वां निःशुल्क आयोजन होगा। लखनऊ के मुंशी प्रेमचंद सभागार में होने वाले इस आयोजन में अध्यक्ष महोदय ने अभी से मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों का खुलासा न करते हुए सिर्फ इतना संकेत दिया है कि वरिष्ठ एवं प्रसिद्ध रचनाकारों तथा समाजसेवियों को बुलाया जा रहा है। चार घंटे तक चलने वाले इस आयोजन में समयानुसार काव्यपाठ का भी अवसर दिया जायेगा।

मित्रता

बेवजह आना जाना हुआ,
रूठना और मनाना हुआ !
उम्र चाहे कितनी भी हो,
मित्रता सदैव सुहाना हुआ !

गम में भी मुस्कुराना हुआ,
इक नया ही तराना हुआ !
कांटों भरी हो भले डगर,
मगर साज पुराना हुआ !

एहसासों का याराना हुआ,
कभी भी न आजमाना हुआ !
जिंदगी के अच्छे बुरे दिनों में,
बस केवल साथ निभाना हुआ !

इक दूजे पे वक्त लुटाना हुआ,
नेह से हंसना व हंसाना हुआ !
तम से भरे हुए सफर में भी,
जगमगाता सा ठिकाना हुआ !

ज्योति नव्या श्री
रामगढ़, झारखण्ड
कोलफील्ड मिरर

सब कुछ लुटा के होश में आये तो क्या करें

मेरे संग जो तुमने की हैं जफ़ाएं,
तेरे संग हम तो वफा ही करेंगे,
गर तेरी रज़ा है ख़ता ही करोगे,
तो फिर कह दो हमसे हम क्या करेंगे।

मेरे संग जो की थीं..

खड़े थे अभी तक हम उसी राह में,
कि लौट आओगे अब इसी चाह में,
मेरा दिल अब तो तड़पता नहीं है
इसको खबर हो गयी तुम अब रहे छल।
वहम सारे दिल के दूर हो रहें हैं
हम अब हमको को ही प्रिय हो रहे है|

मेरे संग जो तुने की थीं....

लौटाओगे कैसे बीते हुए पल,
कितना छलोगे मिलेगा न कुछ हल,
बुने थे दिलों ने जो प्रीत के धागे
उन बंधनों से अब रिहा कर रहे हैं,
सिफर से शुरू अब करें जिंदगी हम,
आराम इस दिल को जरा दे रहें हैं।

मेरे संग जो तुमने की हैं जफ़ाएं,
तेरे संग हम तो वफा ही करेंगे,
गर तेरी रज़ा है ख़ता ही करोगे,
तो फिर कह दो हमसे हम क्या करेंगे।

सविता सिंह मीरा
जमशेदपुर
कोलफील्ड मिरर

हिट युवा फिट युवा

कोलफील्ड मिरर 04 नवम्बर 2024: मनुष्य जानते हुए भी अनजान है। यह बड़ी अजीब बात है। दिन के बाद रात और रात के बाद दिन है। फिर भी समय मेरी मर्ज़ी से चलता है। कहता यह बेपरवाह दिल है। बांधा हुआ आयुष्य बीता जा रहा है। फिर भी अमर रहने की नामुमकिन आस है। यह बड़ी अजीब बात है। ऊर्जावान युवा सोच के साथ शुभ भविष्य है। जिससे सदा मुस्कराता रहे जीवन और गतिशील क़दम है। तूफ़ानो को चीर और दुर्जनो को हरा है। ऐसा साहसी जज़्बा पर आगे बढ़ नहीं रहा मन है। यह बड़ी अजीब बात है। तोड़ गिरायें ज़ंजीरे कर्मों की। दुःखों का होगा अंत। सिद्धशिला में होगा वास। इस स्वप्न का आभास है। पर हक़ीक़त में नहीं विश्वास। यह अजीब बात है। युवा के ऊर्जावान जीवन के लिये आवश्यक है मनः शांति, आत्मा की शान्ति, प्रसन्नता या हास्य की खुराक भी। यह ऐसे महत्वपूर्ण तत्व है जो मानव को हर समय ऊर्जावान रखते है। जिसकी बुद्धि जागृत होती है। वह हमेशा विवेक शील होता है। दिल होता उसका शालीन हैं। कब, कहाँ, कैसे, क्या करना? कितना बोलना? उसका दिमाग रहता संतुलित हैं। शान्ति रहती उसके करीब हैं। ऐसे पुरुष ही स्वस्थ होने के काबिल होते है। मन-मस्तिष्क जिसका शान्त होता हैं। कलह और विरोध में वह परेशान नहीं होता हैं। उचित समय में उचित निर्णय लेना जिसकी पहचान होती है। कीचङ में खिले कमल समान। स्वस्थ रहकर सही जीवन वह जी पाता है।

आज की यह समस्या है की हम अपने आप पर नियंत्रण नहीं रख पाते हैं। जैन धर्म में संयम का बहुत महत्व हैं। युवा पीढ़ी को बदलते समय के अनुसार जीने की छूट देती है। बुढ़ापा हमारे ज़माने में ऐसा था की रट लगाता है। और वरिष्ठता बदलते समय से अपना नाता जोड़ लेती है उसे अपना लेती है। बुढ़ापा नई पीढ़ी पर अपनी राय लादता है, थोपता है और वरिष्ठता तरुण पीढ़ी की राय को समझने का प्रयास करती है। बुढ़ापा जीवन की शाम में अपना अंत ढूंढ़ता है मगर वरिष्ठता वह तो जीवन की शाम में भी एक नए सवेरे का इंतजार करती है। युवाओं की स्फूर्ति से प्रेरित होती है। वरिष्ठता और बुढ़ापे के बीच के अंतर को हम गम्भीरतापूर्वक समझकर, जीवन का आनंद पूर्ण रूप से लेने में सक्षम बनिए। कई डॉक्टर पूछते हैं मरीज को, की आप अपने परिवार के साथ रोजाना कितना समय देते हो व अपना सुख- दुःख आपस में कितना आदान -प्रदान करते हो, आदि- आदि। ज्यादातर मरीज डॉक्टर को सही उतर दे नहीं पाते हैं। डॉक्टरों का यह कहना काफी हद तक सही भी प्रतीत होता हैं की कई मरीज अपनी बीमारी से ज्यादा पारिवारिक व गलत दैनिक चर्या आदि से ग्रस्त हैं जिससे उनकी वास्तविक बीमारी सही होने के बजाय बढ़ती रहती हैं क्यूँकि उनको जो सही से मानसिक प्रसन्नतता होनी चाहिये वह नहीं रहती हैं। यह वर्तमान स्थिति चिंतनीय है। वैसे जीवन में पूर्ण शांति व प्रसन्नता के लिये तो पूर्ण विवेक, पूर्ण समझ व साधनामय चर्या की होती है जरूरत है थोड़ा विवेक, थोड़ी समझ से भी यदि की जाएं शुरूआत, तो भी देखी जा सकती है जीवन की बदलती सूरत। वे छोटी - छोटी बातें हैंअगर कोई काम न लगे सही तो उसे न करें उसे कतई। उसी तरह यदि कोई बात न लगे सच तो उसे न कहें कभी। बस इतनी सी समझ भी रख लें दैनिक व्यवहार में हम, तो हो सकता है जीवनआनंदमय इस संसार में।ये दो बातें है छोटी -छोटी, पर है जीवन निर्माण के शुरुआत की खरी कसौटी। बचपन बीता, किशोरावस्था भी गई। युवावस्था आई, फिर वृद्धावस्था और समयानुसार जिन्दगी पूरी हुई। पर इस सतत गतिमान जीवन की अवधि में हमने जिस उद्देश्य से जन्म लिया हैं, उसकी सुध -बुध हमने कहाँ ली। बचपन में समय ही समय है पर समझ नहीं। किशोरावस्था भी बचपन की नांई निष्फ्रिक्र, मौज-मस्ती में गई।आई युवावस्था इसमें शक्ति है, 9शुभ संयोग से मन में भक्ति भी है। पर दिनचर्या ऐसी कि पारिवारिक जिम्मेदारियों में ही पूरी बीत जाती है। अब आ गई वृद्धावस्था, जिसमें कुछ कर सकते नहींखास, रही ऐसी शारीरिक अवस्था तो कैसे हो भगवद् भक्ति की व्यवस्था। इस तरह हर अवस्था में अवस्थानुसार समझ, नासमझ, ज़िम्मेदारियाँ आदि तो रहेंगी ही अत: समझ पकड़ने के बाद दैनिक समय सारणी में एक निश्चित अवधि रहे सुरक्षित करने को आध्यात्मिक चर्या में सतत वृद्धि तब हो सकती हैं जीवन लक्ष्य की ओर प्रस्थान की गति में अनवरत प्रगति । संक्षिप्त में यह सही क्रम यदि अपना लेंगे तो हम सदा स्वस्थ व स्फूर्त रहेंगे।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

टीकेश्वर सिन्हा ने लिखी छत्तीसगढ़ प्राथमिक पाठ्यक्रम के लिए बाल कहानी

कोलफील्ड मिरर 04 नवम्बर 2024: शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के तहत रूम टू रीड के सहयोग तथा एस सी ई आर टी रायपुर के मार्गदर्शन में टीकेश्वर सिन्हा व्याख्याता (अंग्रेजी) स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोटिया ने प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के लिए एक हिंदी लघु कहानी 'आजादी' लिखी है, जिसके लिए उन्हें पठन महोत्सव कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। उक्त कहानी में केवल तीन पात्रों के जरिए आजादी की महत्ता को बताई गई है। कहानी को छत्तीसगढ़ प्राथमिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को पढ़ाई जाएगी। अब तक सिन्हा की आठ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें दो बाल साहित्य हैं। अभी हाल में ही उनका छत्तीसगढ़ी बाल कहानी संकलन चल उड़ा रे पुचुक चिरई प्रकाशित होने जा रहा है। सिन्हा की रचनाएँ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।

प्रतिभाओं की धनी व युवाओं की प्रेरणास्त्रोत: मुस्कान केशरी

कोलफील्ड मिरर 04 नवम्बर 2024: मुजफ्फरपुर जिले की बेटी लेखिका मुस्कान केशरी इन दिनों पूरे भारत में नाम रोशन कर रही हैं। दिन-प्रतिदिन वो अपनी प्रतिभाओं की निखारती है और नए क्षेत्र में प्रवेश करती हैं। अभी साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु गीताश्री साहित्य परिषद वाराणसी के कैमा गाँव में इन्हें अंगवस्त्र, सम्मान पत्र, पुष्प माला देकर सम्मानित किया गया और उत्तरप्रदेश सरकार व सरोजसेवा पत्रिका गहमर द्वारा इन्हें लखनऊ में आमंत्रित किया गया, साथ ही अयोध्या महोत्सव में भी इन्हें आमंत्रित किया गया। वही मुजफ्फरपुर बिहार मे डीएफडब्लू के द्वारा एम एस केशरी पब्लिकेशन की कार्यों को देखते हुए मोमेटो व सम्मान पत्र देकर मुस्कान केशरी जी को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मुस्कान केशरी जी ने रैम वाक प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें उन्होनें रैम वाॅक व अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया जिसमें उनका Grand Finale के लिए चयन हो गया। ये इनके लिए बिल्कुल नया क्षेत्र था लेकिन मुस्कान केशरी जी इतनी प्रतिभावान थी कि बिना किसी से सिखने वो सीधे मंच पर गई और छा गई। इनकी यही खूबी आज के युवाओं के लिए

प्रेरणास्त्रोत का कार्य करती हैं। मुस्कान केशरी जी कई क्षेत्रों में सक्रिय है जैसे साहित्य, नृत्य, गायन, ब्यूटीशियन, शिक्षा, खेल, सामाजिक सेवा, इसके अलावा ये भूतपूर्व एनसीसी कैडेट, आँल बिहार साइकिलिस्ट, एम एस केशरी पब्लिकेशन की संस्थापिका, जिले स्तर वूशु में मेडलिस्ट आन्डर 45 किलो, वूमन पाँवर सोसाइटी की प्रदेश संयोजिका और अन्य पदों पर कार्यरत है। मुस्कान केशरी जी कई सारे वल्ड रिकार्ड में शामिल हो चूँकि है अभी हाल में 150 घंटे के कवि सम्मेलन में शामिल हुई है। इनको अभी तक अनेकों जगहो पर सम्मानित किया गया है और कई मंचो पर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, आमंत्रित स्वर के रूप में सम्मिलित होती रहती हैं। इनके द्वारा एम एस केशरी पब्लिकेशन मुजफ्फरपुर बिहार में निशुल्क साहित्यिक पब्लिकेशन की स्थापना किया गया। जो राष्ट्र स्तरीय कार्य करती है। पब्लिकेशन के द्वारा नवोदित को निशुल्क मंच प्रदान किया जाता हैं जहाँ वो अपनी प्रतिभा को राष्ट्र स्तर पर प्रस्तुत करके अपनी नई पहचान बना लेते हैं। इनके द्वारा हजारो नवोदित लेखक एंव लेखिका को मंच प्रदान किया जा चूका है। ये अपना जीवन साहित्यिक, सामाजिक, कलाकारो को समर्पित करती हैं और हर क्षेत्र मे निरंतर कार्य करती रहती हैं। इनका सम्पर्क सूत्र है: 6203124315